राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 08 मई 2025 वर्ष-8,अंक-78 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनएसए डोभाल ने चेतावनी देते हुए बताया ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्या होगा भारत का अगला......

एक और गलती हुई तो बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (द्बपीओके) में किए गए एयर स्ट्राइक के बाद उपजे तनावपूर्ण माहौल के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। डोभाल ने कहा कि यदि सीमा पार से किसी भी प्रकार की आक्रामकता या उकसावे की कोशिश होती है तो भारत उसका करारा और निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, और अगर पाकिस्तान ने फिर कोई गलती की, तो परिणाम और भी गंभीर होंगे। डोभाल ने यह भी बताया कि पाकिस्तान की सेना और आतंकी संगठनों द्वारा फैलाया जा रहा प्रोपेगंडा बेनकाब हो चुका है। उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा के उस वीडियो का हवाला दिया जिसमें संगठन ने खुद स्वीकार किया है कि भारत ने उसका मुख्यालय नष्ट कर दिया। इससे पहले, बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की थी, लेकिन इस बार भारतीय सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान में मचा हड़कंप

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान और शहबाज सरकार में हड़कंप मचा हुआ है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत की कार्रवाई को ÷युद्ध का कार्य÷ बताते हुए सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को इसका जवाब देने का पूरा अधिकार है और वह मजबूत प्रतिक्रिया देगा। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहले अपने बयान में भारत को सबक सिखाने की बात कही, लेकिन शाम होते-होते उनके सुर बदले और एक बयान में उन्होंने कह दिया कि पाकिस्तान इस हमले के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगा। इससे पहले उन्होंने भारत पर रात के अंधेरे में कायरतापूर्ण हमला करने का आरोप लगाया था।

वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भारत का हमला पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है। उन्होंने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ करार दिया।

रक्षा मंत्री ने सेना की तारीफ में कहा.....

हनुमान के सिद्धांत का पालन कर सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की तारीफ की है। उन्होंने छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में 50 सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन के मौके पर भारत माता की जय की नारे लगाए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, आप जानते हैं कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारे सशस्त्र बलों ने हम सभी को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा, मंगलवार-बुधवार दरमियानी रात हमारे भारतीय सशस्त्र बलों ने अपनी वीरता और बहादुरी का प्रदर्शन कर नया इतिहास रच दिया। भारतीय सशस्त्र बलों ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ बड़ी कार्रवाई की। जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें सही समय पर सटीकता के साथ ध्वस्त किया गया। मंत्री ने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों ने यह सुनिश्चित करने में भी संवेदनशीलता दिखाई कि नागरिक आबादी बिल्कुल नुकसान नहीं हो। एक तरह से हम कह सकते हैं कि भारतीय जवानों ने सटीकता, सतर्कता और मानवता का परिचय दिया। पूरे देश की ओर से मैं जवानों और अधिकारियों को बधाई देता हूं। मैं सशस्त्र बलों का समर्थन करने के लिए पीएम मोदी को भी बधाई देता हूं।

पाकिस्तान की भारी गोलीबारी में 15 निर्दोष भारतीय नागरिकों की मौत

43 घायल, एलओसी पर बढ़ा तनाव

श्रीनगर।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद सीमा पर तनाव बढ़ गया है। इसके जवाब में पाकिस्तान की ओर से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारी गोलीबारी की गई, जिसमें 15 निर्दोष भारतीय नागरिकों की जान चली गई और 43 लोग घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। पुंछ जिले के मनकोट क्षेत्र में मोर्टार के हमले में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी 13 वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। अन्य प्रभावित जिलों में राजौरी, जम्मू, सांबा और कठुआ शामिल हैं। पाकिस्तान की इस अचानक और भारी गोलीबारी के बाद जम्मू-कश्मीर के 5 सीमावर्ती जिलों में सभी शैक्षिक संस्थानों को एहतियातन बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नागरिकों से बंकरों में रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है। भारतीय सेना ने भी पाकिस्तान की इस गोलीबारी का जवाब दिया है, जिससे दोनों ओर से संघर्षविराम उल्लंघन लगातार 13वें दिन जारी है। अधिकारियों के अनुसार, यह स्थिति भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है।

बीजापुर में नक्सलियों पर कड़ा वार- कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में 22 से अधिक नक्सली ढेर, 18 शव बरामद

सुरक्षाबलों की ऐतिहासिक कार्रवाई

बीजापुर।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की दुर्गम पहाड़ियों में आज सुबह का सूरज नक्सलियों के लिए कहर बनकर उगा। कर्रेगुट्टा की पहाड़ी, जो अब तक नक्सलियों की मजबूत मांद मानी जाती थी, वहां सुरक्षाबलों ने ऐसा कहर बरपाया कि जंगल कांप उठा। तड़के शुरू हुए भीषण मुठभेड़ में अब तक 20 से 22 नक्सलियों को मार गिराने की पुष्टि हुई है, जिनमें से 18 के शव बरामद किए जा चुके हैं। डीआरजी, कोबरा, सीआरपीएफ और एसटीएफ़ के जांबाज़ों ने दुर्गम और जोखिम भरे इलाके में घुसकर नक्सलियों को उसी की भाषा में जवाब दिया। बस्तर के इस सबसे बड़े ऑपरेशन की निगरानी खुद एडीजी नक्सल ऑप्स विवेकानंद सिन्हा, सीआरपीएफ आईजी राकेश अग्रवाल और बस्तर आईजी पी. सुंदरराज कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन अभी भी जारी है और अनुमान जताया जा रहा है कि शाम तक यह कार्रवाई ऐतिहासिक मोड़ ले सकती है। नक्सलियों के कई ठिकानों को ध्वस्त किया जा चुका है, और जंगलों में लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है। कर्रेगुट्टा की पहाड़ी, जो कभी आतंक का अड्डा मानी जाती थी, अब भारत की सुरक्षाबलों की ताकत और हिम्मत की मिसाल बन चुकी है। यह ऑपरेशन दिखाता है कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद से लड़ने के लिए सिर्फ तैयार ही नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई कर रहा है।

देश के लिए गर्व का क्षणः ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया

कैबिनेट बैठक में सेना की तारीफ, कहा- सटीक और साहसी कार्रवाई

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश के लिए गर्व की बात बताया है। बुधवार को आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में की गई एयर स्ट्राइक के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भारतीय सेना की सटीक और साहसी कार्रवाई की जमकर सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय सेना ने पूरी योजना के अनुसार बिना किसी चूक के आतंकवादियों के नौ ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी और संकल्प ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। मंत्रियों ने एक स्वर में कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है और इस निर्णायक कार्रवाई पर उन्हें गर्व है। सरकार द्वारा दिए गए बयान के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए। इन हमलों में केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। यहां बताते चलें कि ऑपरेशन सिंदूर दरअसल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के जवाब में की गई कार्रवाई है।

पाकिस्तान में आतंकी के 9 ठिकाने तबाह

रिहायशी इलाकों को नुकसान नहीं

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने ऑपरेशन सिंदूर की दी जानकारी

नई दिल्ली।

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक पर बुधवार सुबह 10¬30 बजे सरकार, सेना और एयरफोर्स के अफसरों ने ब्रीफिंग की। पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया, जिसमें आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई दिखाई गई। देश के इतिहास में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि पहलगाम कायरतापूर्ण हमला था, इसमें कई लोगों की हत्या कर दी गई थी। लोगों को सिर में गोली मारी गई। बचे हुए लोगों से कहा गया कि वे इस हमले का संदेश पहुंचाएं। ये हमला जम्मू-कश्मीर की अच्छी स्थिति को प्रभावित करने के लिए किया गया था। पिछले साल सवा दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक कश्मीर आए थे। हमले का मकसद था कि कश्मीर के विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर पिछड़ा बनाए रखा जाए। हमले का तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने से प्रेरित था।

एक समूह ने खुद को टीआरएफ कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इसे यूएन ने प्रतिबंधित किया है और यह लश्कर से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान स्थित समूहों के लिए कवर के तौर पर टीआरएफ का इस्तेमाल किया गया। लश्कर जैसे संगठन टीआरएफ जैसे संगठन को इस्तेमाल कर रहे हैं। पहलगाम हमले की जांच से पाकिस्तान के साथ आतंकवादियों के संपर्क उजागर हुए हैं। टीवायआरएफ के दावे और लश्कर से सोशल मीडिया पोस्ट इसे साबित करती है। हमलावरों की पहचान भी हुई है। इस हमले की रूपरेखा भारत में सीमापार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तान का प्लान उजागर हुआ है। पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में हमें सूचना मिली थी कि वे और हमले कर सकते हैं। इन्हें रोकना जरूरी था। हमने इन्हें रोकने के अधिकार का इस्तेमाल किया है। यह कार्रवाई नपी-तुली और जिम्मेदारीपूर्ण है। आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने और आतंकियों को अक्षम बनाने पर केंद्रित है।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त, सशस्त्र सीमा बल ने चौकसी बढ़ाई

बगहा।

बिहार में संभावित आतंकी हमले के इनपुट के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। बगहा के इंडो नेपाल-बॉर्डर वाल्मिकीनगर स्थित सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षाबलों की ओर से यात्रियों के सामानों की जांच भी विशेष मशीनों की मदद से की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि को पकड़ा जा सके। इतना ही नहीं एसएसबी के अधिकारी लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर निगरानी रखी जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है और खासकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के विशेष निर्देश जारी किए हैं। वाल्मिकीनगर सीमा पर हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के खिलाफ एक और एक्शन गृहमंत्री अमित शाह ने जवानों के लिए जारी किया बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए हमलों के मद्देनजर सभी अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे छुट्टी पर गए अपने कर्मियों को वापस बुला लें। शाह जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने उनसे यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। सूत्रों ने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आपात स्थिति में नागरिक आबादी के आश्रय के लिए बंकरों को तैयार रखने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रमुखों को अपने उन कर्मियों को वापस बुलाने का निर्देश दिया जो छुट्टी पर हैं। शाह ने देश में आंतरिक सुरक्षा स्थिति की भी समीक्षा की और शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को सतर्क रहने और कड़ी निगरानी रखने को कहा। गृह मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को पहलगाम में निर्दोष लोगों की नृशंस हत्याओं के प्रति भारत का जवाब बताया। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत और उसके लोगों पर किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कृतसंकल्प है और भारत आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने यह कार्रवाई की। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए भारतीय सुरक्षा बलों की तरफ ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने के कुछ घंटे बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। सूत्रों ने बताया कि वह सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट समिति (सीएससी) की बैठक की भी अध्यक्षता करेंगे, जिसमें मौजूदा हालात की समीक्षा की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि बैठक में रक्षा बलों के रात में चलाए गए अभियान पर प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूरः सेना और सरकार ने किए कई खुलासे

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला भारत ने ले लिया है। सौ से अधिक आतंकियों को ऑपरेशन सिंदूर के तहत ढेर कर दिया गया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और दो सैन्य महिला अधिकारियों ने इस अटैक की पूरी डिटेल देते हुए कहा कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला 2008 में मुंबई अटैक के बाद सबसे बड़ा था, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा ने कराया था, जो पाकिस्तान से संचालित है। उन्होंने कहा कि इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फोर्स ने ली थी, जो लश्कर-ए-तैयबा का ही एक संगठन है। विदेश सचिव ने कहा कि यह संगठन मुखौटा ग्रुप है, जो लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों की आतंकी हरकतों को ही अंजाम देता है।ऐसी स्थिति में भारत ने सीमा पार आतंकी हमलों को रोकने, उन्हें जवाब देने के लिए ऐक्शन लिया है। हमने नपी-तुली कार्रवाई की है। आतंकी ठिकानों को ही हमने टारगेट किया है। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी पाकिस्तान को बताया था कि उसकी जमीन से लश्कर और जैश के आतंकी ठिकाने चल रहे हैं। इसके बाद भी पाकिस्तान ने उन पर कोई ऐक्शन नहीं लिया। ऐसी स्थिति में यह हमारा अधिकार था कि अपने खिलाफ होने वाली आतंकी साजिशों को खत्म किया जाए।भारत सरकार ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयान से इस संगठन का जिक्र हटवाने के लिए पाकिस्तान ने पूरा जोर लगा दिया। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान का लिंक इस संगठन से था और उसकी ही शह पर यह हमला हुआ। विक्रम मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया भर में आतंकवाद की शरण स्थली के तौर पर पहचान बना चुका है। विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत सरकार ने 23 अप्रैल को ही सिंधु जल समझौते को रोकने जैसे कई सख्त कदम उठाए थे।

आज मालेगांव ब्लास्ट 2008 केस का फैसला, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और अन्य आरोपियों की किस्मत का होगा फैसला

मुंबई।

2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में 17 साल बाद आज गुरुवार को फैसला सुनाया जाएगा। मालेगांव में एक धार्मिक स्थल के बाहर हुए विस्फोट में छह लोगों की जान चली गई थी और 101 लोग घायल हुए थे।

इस घटना के बाद पहली बार हिंदू आतंकवाद फैलाने के आरोप लगे थे। 19 अप्रैल को मुंबई सत्र न्यायालय में विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश एलके लाहोटी ने मामले की सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई-प्रोफाइल आरोपियों, बदली जांच एजेंसियों, बदले हुए जजों और प्रमुख गवाहों के दलबदल समेत इन तमाम घटनाक्रमों के कारण यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में रहा है। आपको बता दें कि मालेगांव विस्फोट मामले में पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी उर्फ स्वामी अमृतानंद, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी पर हत्या, विस्फोटक अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, आतंकवाद निरोधक अधिनियम और यूएपीए से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जबकि, आरोपी श्याम साहू, प्रवीण टकलकी, रामजी कालसंग्रा और संदीप डांगे फरार थे।

एटीएस से एनआईए तक जांच

मालेगांव विस्फोट मामले की प्रारंभिक जांच करने वाले आतंकवाद निरोधक दस्ते ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मकोका के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। ये सभी अभिनव भारत संगठन से जुड़े हैं और एटीएस ने आरोप लगाया था कि उन्होंने हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए भोसला मिलिट्री स्कूल में कुछ युवकों को हथियार और विस्फोटक का प्रशिक्षण दिया था।

घटना की प्रारंभिक जांच तत्कालीन एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे के नेतृत्व में की गई थी, जिनकी 26/11 मुंबई आतंकी हमले में मौत हो गई थी। इसमें एटीएस ने एलएमएल फ्रीडम मोटरसाइकिल की मालिक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को गिरफ्तार किया था, जिस पर बम रखा गया था। हमले की साजिश रचने के लिए कई जगहों पर बैठकें की गई थीं। एटीएस ने बैठक में मौजूद सभी लोगों को हिरासत में लिया और 2010 में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। फिर 2011 में मामला नवगठित एनआईए को सौंप दिया गया। एनआईए ने आगे की जांच की और 13 मई, 2016 को मामले में एक पूरक आरोपपत्र दायर किया।

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की

किशन सनमुखदास भावनानीं

> अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर-पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्सः पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नजर गाड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्सः पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयहिंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदूर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर है अब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई।

साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की।

OPERATION
SINDOOR

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, मंत्रालय ने कहा कि हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, बाद में ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क्या रहा होगा,डिफेंस एक्सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आतंकियों ने कई ऐसे लोगों को मारा जिनकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महिलाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी कि एक-एक आंसू का हिसाब लिया जाएगा, इनमें गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पति लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आतंकियों ने विनय को मार डाला। इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आतंकियों को दर्द दिया, प्रियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमून मनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिमला की रहने वाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गई थीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेक और अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बच गईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दिया था। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पति अमित पाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकी शादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे, तभी आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी,स्नेहा ने अस्पताल में कहा, आतंकियों ने हमारा सब कुछ छीन लिया। सिंदूर मिटाने पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम के आतंकियों ने जब बैसरन में हमला किया तो वहां उन्होंने किसी भी महिला की जान नहीं ली, दरअसल, इस ऑपरेशन के नाम के पीछे भी एक कारण छिपा है।जब आतंकी हमारी महिलाओं का सिंदूर छीनने की साजिश करें, तो जवाब उसी प्रतीक से दिया जाए, यह संदेश स्पष्ट है, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए न सिर्फ आतंकियों को सबक सिखाया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि अब किसी भी महिला के सिंदूर पर हाथ डालना सीधा युद्ध के बराबर माना जाएगा।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन सिंदूर बेहद सीमित सटीक, रणनीतिक व कानून के दायरे में होने की करें तो, यह कार्रवाई बेहद सीमित, रणनीतिक रही, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने आतंकियों के ठिकाने पर मिसाइले दाग कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह आतंक के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है, इससे यह भी साफ हो गया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा, बल्कि जवाबी कार्रवाई भी करेगा। भारत की यह कार्रवाई पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रही, कोई असैन्य ठिकाना या आम नागरिक इस कार्रवाई की चपेट में नहीं आया, भारतीय विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल आतंकवाद के खिलाफ था, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता पर हमला, हालांकि, इससे पाकिस्तान में घबराहट साफ देखी जा सकती है, कई आतंकी ठिकानों को खाली करा लिया गया है और सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को यह भी दिखा दिया है कि अब भारत पुरानी नीति पर नहीं चलेगा, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है, जो सीधे पाकिस्तान की धरती पर जाकर की गई है। इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारत अब बात नहीं, केवल जवाबी कार्रवाई में विश्वास रखता है पाक को अब तय करना है, वह आतंक की पनाहगाह बना रहेगा या जिम्मेदार पड़ोसी की तरह व्यवहार करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

संपादकीय

मॉक ड्रिल का संदेश

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों को कल 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए, के जवाब में कड़ा रुख अपनाए हुए है। हालांकि घटना के बाद से ही केंद्र सरकार ने एक के बाद एक कूटनीतिक और आर्थिक फैसले लेकर इस हमले को शह देने वाले पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। लेकिन देश के नागरिक इस हमले से इस कदर गुस्से में हैं कि उसी तरह मुंह तोड़ जवाब देना चाहते हैं जिस तरह पुलवामा और उरी में आतंकवादी घटनाओं के बाद दिया गया था। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार पर भारी दबाव है कि माकूल जवाब दे। जन भावना इस कदर आक्रोशित है कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेनाओं के पाले में गेंद डालते हुए उन्हें जवाबी कार्रवाई करने की पूरी छूट दे दी थी। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कई राज्यों को मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मॉक ड्रिल आपातकालीन संकट या संकट की स्थिति में अपनी तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को परखने का प्रभावी तरीका है। इससे सुरक्षा योजनाओं को परखने, उनकी कमी पहचानने और उन्हें सुधारने में मदद मिलती है। मॉक ड्रिल के जरिए दुनिया को साफ संदेश जाएगा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत पूरी तैयारी कर रहा है, जो सीमित या पूर्ण युद्ध के रूप में हो सकती है यानी भारत के कूटनीतिक कदम अब युद्ध की रणनीति की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉक ड्रिल के दौरान एयर रेड वार्निंग सायरनों का संचालन होगा। नागरिकों को संभावित हमलों की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्रैश ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। महत्त्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की त्वरित कैमुफ्लाजिंग की जाएगी जो राष्ट्रीय संपत्तियों को सुरक्षा के लिए एक मान युद्धकालीन उपाय है। निकासी योजनाओं का अद्यतन और पूर्वाभ्यास होगा जिसके तहत किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तेजी से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का अभ्यास किया जाएगा।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है।

भारत-चीन संबंध : कैलाश से कूटनीति तक

नृपेंद्र अभिषेक नृप

भारत और चीन, दो प्राचीन सभ्यताओं और समकालीन वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों का इतिहास जटिल, उलझा हुआ और समय-समय पर संघर्षों से भरा रहा है। इन संबंधों में हालिया हलचल उस समय देखने को मिली जब भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि 750 भारतीय तीर्थयात्री इस वर्ष जून-अगस्त के बीच दो समूहों में कैलाश मानसरोवर यात्रा कर सकेंगे। कैलाश मानसरोवर चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है, और इसका धार्मिक, सांस्कृतिक तथा कूटनीतिक महत्त्व अत्यधिक है। पांच वर्षों के अंतराल के बाद इस यात्रा का पुनः आरंभ होना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक सूक्ष्म किंतु महत्त्वपूर्ण संकेत भी है।

पिछले पांच वर्षों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के निलंबन के पीछे दो मुख्य कारण रहे। पहला, वैश्विक महामारी कोविड-19, जिसने न केवल व्यक्तियों और समुदायों को अलग-थलग कर दिया, बल्कि देशों के बीच संपर्क और सहयोग के रास्ते भी बाधित कर दिए। दूसरा, और अधिक जटिल कारण था 2020 में लद्दाख में भारत और चीन के बीच हुआ सैन्य गतिरोध। गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों ने दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास और तनाव की भावना को जन्म दिया। ऐसे परिदृश्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना सकारात्मक कूटनीतिक संकेत है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि दोनों देशों में संवाद और संपर्क की छोटी-छोटी खिड़कियां अब भी खुली हैं। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दुनिया पूर्वी यूरोप में युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और वैश्विक व्यापार पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण उत्पन्न हो रही अनिश्चितताओं से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में भारत और चीन जैसे दो बड़े, परमाणु संपन्न देशों के बीच किसी भी प्रकार की सद्भावना का संकेत न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। 2.8 अरब से अधिक जनसंख्या वाले इन दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का सहयोग वैश्विक शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी भारत-चीन संबंधों में विशेष स्थान रखती है। 1962 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण रहे। इस युद्ध ने न केवल सीमाओं को विवादित कर दिया, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी दोनों देशों को एक-दूसरे से दूर कर दिया। ऐसी स्थिति में, 1979 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा ऐतिहासिक मानी गई। वाजपेयी ने अपनी यात्रा के दौरान बीजिंग में भारतीयों के लिए कैलाश और मानसरोवर के धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया। उनके प्रयासों से 1981 में भारत और चीन के बीच आधिकारिक रूप से इस यात्रा का मार्ग प्रशस्त हुआ। चीन के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हुआंग हुआ ने 1981 में नई दिल्ली यात्रा के दौरान आश्वासन दिया कि चीन 'जिसे भारतीय कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील कहते हैं", वहां की यात्रा के लिए व्यवस्था करेगा। इस वक्तव्य ने दो देशों के बीच संवाद और सहयोग का एक नया द्वार खोला था। आज, जब यात्रा फिर से शुरू हो रही है, तो यह अतीत की स्मृतियों को ताजा करती है, और वर्तमान में संवाद के अवसरों को बल देती है।

रणनीतिक दृष्टि से भारत और चीन आज विभिन्न ध्रुवों पर खड़े दिखाई देते हैं। भारत जहां अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' समूह का सक्रिय सदस्य है, वहीं चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। परंतु कूटनीति की खूबी ही यही है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संवाद के सेतु बनाने का प्रयास करती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ इसी भावना का प्रतिबिंब है। हालांकि भविष्य की राह सरल नहीं है।

भारत और चीन के बीच स्थिर संबंध स्थापित करने के लिए प्रतीकात्मक पहल पर्याप्त नहीं होंगी। पारस्परिक सम्मान, सीमा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के नियमों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक मंचों पर संतुलित सहयोग की आवश्यकता होगी। दोनों देशों को समझना होगा कि एशिया और विश्व की स्थिरता में उनकी साझी जिम्मेदारी है। सहयोग का

रास्ता दोनों के हित में है। भारत के लिए आवश्यक है कि अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के मूलभूत सिद्धांतों से कोई समझौता किए बिना संवाद के द्वार खुले रखे। चीन के लिए भी समझना महत्त्वपूर्ण है कि भारत को दबाने की रणनीति कारगर नहीं होगी, बल्कि सम्मानजनक सहयोग ही दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुल मिलाकर, कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से प्रारंभ होना शुभ संकेत अवश्य है, लेकिन इसे संबंधों के समग्र सुधार का प्रतीक मान लेना जल्दबाजी होगी। यह यात्रा लंबी, कठिन और ऊबड़-खाबड़ राह की शुरू आत मात्र है। जिस प्रकार कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने के लिए को अनेक कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ता है, उसी प्रकार इस यात्रा के हर कदम पर सतर्कता, सहनशीलता और विवेक आवश्यक होगा।

‘निवेशक चार्टर से केवायसी एजेंसियां देंगी केआरए गतिविधियों की जानकारी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कहा कि उसने केवाईसी पंजीकरण करने वाली एजेंसियों (केआरए) के लिए एक ‘निवेशक चार्टर बनाया है, जिसमें निवेशकों को दी जाने वाली सेवाओं के साथ उनके अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्र का भी विवरण है। निवेशक चार्टर केआरए की गतिविधियों के साथ निवेशकों को क्या करें और क्या न करें के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस चार्टर का उद्देश्य कई गतिविधियों के बारे में निवेशकों की जागरूकता को बढ़ाने में मदद करना है। निवेशक और ग्राहक को निवेशक सेवा अनुरोधों का लाभ उठाने के लिए केवाईसी का पंजीकरण करने वाली एजेंसियों से निपटना होता है। केआरए निवेशकों या पंजीकृत मध्यस्थों को केवाईसी के पंजीकरण और संशोधन की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने के लिए आसान पहुंच प्रदान करती हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में पंजीकृत केआरए से निवेशक चार्टर को मौजूदा और नए निवेशकों के संज्ञान में लाने के लिए कहा है। उसने चार्टर को केआरए की वेबसाइट पर डालकर और कार्यालयों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने को कहा है। सेबी ने कहा है कि केवाईसी पंजीकरण एजेंसियां पंजीकृत मध्यस्थों से प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के केवाईसी रिकॉर्ड के पंजीकरण और संशोधन की सुविधा देती हैं, जिससे निवेशक की पहचान का सत्यापन और मान्यता तय होती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 84.38 पर बंद हुआ। सुबह रुपया कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ दिखा। ये आठ पैसे की गिरावट के साथ 84.38 प्रति डॉलर पर आ गया। डॉलर सूचकांक में तेजी और एशियाई मुद्राओं में गिरावट का दबाव स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में समग्र गिरावट और विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये की जोड़ी को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.28 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 84.26 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा और फिर 84.38 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया जो पिछले बंद के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.30 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.79 पर रहा।

रॉयल एनफील्ड ने स्क्रैम 440 की बिक्री और बुकिंग अस्थायी रूप से रोकी

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की स्क्रैम 440 बाइक को लेकर कंपनी ने बड़ा कदम उठाया है। इंजन में आ रही तकनीकी समस्या के कारण कंपनी ने इसकी बुकिंग और बिक्री को अस्थायी रूप से रोक लगा दिया है। यह बाइक जनवरी 2025 में लॉन्च की गई थी और स्क्रैम 411 की उत्तराधिकारी मानी जा रही थी। ग्राहकों की शिकायतों के अनुसार, बाइक का इंजन कुछ समय तक चलने के बाद स्टार्ट नहीं होता, खासकर जब ट्रैफिक में रुकने के बाद इसे दोबारा चालू किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह समस्या बाइक के इंजन में मौजूद एक हिस्से ‘वुड्रफ कुंजी’ से जुड़ी है, जो मैग्नेटो के भीतर होता है। हालांकि कंपनी का मानना है कि यह समस्या सभी बाइक्स में नहीं, बल्कि सिर्फ करीब 2त्त यूनिट्स में देखने को मिली है। इस तकनीकी खामी के चलते राइडर्स के सफर के दौरान फंसने का खतरा बढ़ गया है। कंपनी अब इस समस्या को दूर करने के लिए रिप्लेसमेंट पार्ट्स डीलरशिप्स को भेज रही है और ग्राहकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर रही है ताकि सर्विस अपॉइंटमेंट बुक कर उन्हें बाइक की मरम्मत की सुविधा दी जा सके। मरम्मत की प्रक्रिया में मैग्नेटो और साइड कवर को हटाना पड़ेगा, जिसमें लगभग 1-2 घंटे का समय लग सकता है। स्क्रैम 440 में 440ष्ष् का रिफाइंड इंजन है और यह 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आती है, जो हाईवे पर बेहतरीन क्रूज़िंग अनुभव देती है।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ का असर सीमाओं पर नहीं बाजार पर भी पड़ा

डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली।

भारत का पाकिस्तान पर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का प्रभाव सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी नजर आया। पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले के बाद डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई। सेना ने उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां से भारत में आतंकी हमलों की साजिशें रची जा रही थीं और इस कार्रवाई के बाद बाजार में डिफेंस सेक्टर को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

बाजार खुलते ही मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के शेयरों में 4.68 फीसदी की तेजी आई और इसके भाव 3107.55 रुपए तक पहुंच गए। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के स्टॉक्स में भी करीब 2 फीसदी की बढ़त हुई और शेयर 4589 तक चढ़ गया। पारस डिफेंस के शेयर करीब 5 फीसदी उछलकर 1419.85 रुपए तक पहुंच गया जबकि कोचीन शिपयार्ड में 3.70फीसदी और अस्त्र माइक्रोवेव में 2.63फीसदी की तेजी आई। भारत डायनामिक्स और डाटा पैटर्न्स जैसी अन्य डिफेंस कंपनियों ने भी मजबूती दिखाई, जिससे सेक्टर में व्यापक तेजी का माहौल रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी सैन्य कार्रवाइयों के बाद रक्षा क्षेत्र में निवेशकों का भरोसा बढ़ता है, जिससे इन कंपनियों की ऑर्डर बुक को मजबूती मिलती है। सरकार की डिफेंस उत्पादन को आत्मनिर्भर बनाने की नीति और रक्षा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते बजट के चलते इन कंपनियों की ग्रोथ संभावनाएं भी मजबूत नजर आती हैं। हालांकि शुरुआती तेजी के बाद बाजार में मुनाफावसूली का असर भी देखने को मिला। कुछ डिफेंस शेयरों ने दिन की शुरुआत हरे निशान से हुई, लेकिन 10-15 बजे के बाद इनमें गिरावट आई और एचएएल जैसे प्रमुख स्टॉक्स लाल निशान पर चले गए। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के तहत तीनों सेनाओं वायुसेना, थलसेना

OPERATION
SINDOOR

और नौसेना ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। हमले में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट स्थित आतंकी अड्डों को आधुनिक हथियारों और तकनीक के जरिए ध्वस्त कर दिया गया, जिससे दुश्मन की आतंकी नेटवर्क को बड़ा नुकसान हुआ।

भारत में बनी 6 कारें विदेशों में मचा रहीं धूम, कर रहीं जमकर कमाई

नई दिल्ली।

भारत में बने 6 कार मॉडल घरेलू बाजार की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ज्यादा धूम मचा रहे हैं। हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि इन कारों में होंडा की सिटी और एलिवेट, निसान की सनी और मैग्नाइट, हुंडई की वर्ना और जीप की मेरिडियन शामिल हैं। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के मुताबिक यह परिवर्तन भारत में इन मॉडलों की मांग में गिरावट और कंपनियों द्वारा वैश्विक बाजारों में इनकी क्षमता को पहचानने और वहां अपना ध्यान बढ़ाने के कारण है। होंडा एलिवेट को भारत में सितंबर 2023 में लॉन्च किया था, लेकिन इसकी घरेलू बिक्री सुस्त रही। इसके बावजूद वित्त वर्ष 2025 में एलिवेट की 45,167 इकाइयों का निर्यात किया गया, जबकि घरेलू बिक्री सिर्फ 22,321 इकाइयों तक सीमित रही। भारत में सेडान की मांग में गिरावट के कारण वर्ना को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में इसकी लोकप्रियता ने हुंडई को बड़ा निर्यात आधार प्रदान किया है। वित्त वर्ष 2025 में वर्ना की 50 हजार से ज्यादा इकाइयां निर्यात की गईं। इस तरह निसान की मैग्नाइट और जीप मेरिडियन ने भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनियों ने उत्पादन बनाए रखने और आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुबंधों को पूरा करने के लिए निर्यात को अपनी रणनीति का हिस्सा बना लिया है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई।

भारतीय सेना की पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सफल एयर स्ट्राइक से उत्साहित शेयर बाजार भी बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ जबकि सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही वह हरे निशान पर आ गया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 105.71 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 80,746.78 पर बंद हुआ। ये अपने इंट्रा-डे के निचले स्तर 79,937.48 से 809.3 अंक करीब 1.01 फीसदी ऊपर रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में यह 34.80 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी बढ़कर 24,414.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, अदानी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। ये 5.05 फीसदी की बढ़त के साथ ही बंद हुए। वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, सन फार्मा, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज़्यादा नीचे आये । इनमें 0.77 से 3.53 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो इसमें बुधवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज के फ्यूचर्स लगभग 0.6 फीसदी उछले थे। अमेरिका और चीन ने इस सप्ताह के अंत में स्विट्ज़रलैंड में व्यापार वार्ता आयोजित करने की योजना की घोषणा की है। इससे एशियाई बाजारों में तेजी आई। अंत में टोक्यो का निक्केई 225 इंडेक्स 0.1 फीसदी नीचे आकर 36,779.66 पर बंद हुआ। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.1 फीसदी की बढ़त के साथ ही 22,691.88 पर बंद

हुआ। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.8 फीसदी बढ़कर 3,342.67 पर पहुंचा। वहीं टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स 40 अंक करीब 0.05 फीसदी नीचे आकर 80,600 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.35 अंक टूटकर 24,375 पर खुला। वहीं मिडकैप शेयरों में तेजी रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 136 अंक करीब 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 53,572 पर था। स्मॉलकैप इंडेक्स 69 अंक तकरीबन 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ 16,125 पर था। ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक और पीएसई के शेयर सबसे ज्यादा उछले। वहीं आईटी, फार्मा, एफएमसीजी इंडेक्स में गिरावट रही। बाजार में 539 शेयर लाभ में जबकि 1,122 शेयर नुकसान में रहे। टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एचयूएल, टीसीएस, टाइटन, नेस्ले और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नीचे आये।

यूके से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में आई तेजी

नई दिल्ली।

टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। एसपी अपैरल्स, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, अरविंद लिमिटेड, केपीआर मिल और वेलस्पन लिविंग के शेयर बुधवार को 20 फीसदी तक उछले। भारत और युनाइटेड किंगडम ने मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप दे दिया है, इसके बाद टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में तेजी आ गई। एसपी अपैरल्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को 20 फीसदी उछलकर 876.10 रुपए पर पहुंच गए। भारत-यूके के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत टेक्सटाइल्स और गारमेंट्स पर 8-12 फीसदी यूके इंपोर्ट ड्यूटी को हटा दिया जाएगा। इंपोर्ट ड्यूटी खत्म होने से बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले भारत का एक्सपोर्ट और प्रतिस्पर्धी होगा। इसे गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, केपीआर मिल, अरविंद लिमिटेड, एसपी अपैरल्स और वेलस्पन लिविंग जैसी कंपनियों के लिए पॉजिटिव रूप में देखा जा रहा है। समीक्षा के मुताबिक यह डील भारतीय कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 तक युनाइटेड किंगडम से अपने रेवेन्यू कंट्रीब्यूशंस को दोगुना करने में मदद कर सकती है। गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को बीएसई में 17 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1013 रुपए पर पहुंच गए। कंपनी के शेयर मंगलवार को 852.65 रुपए पर बंद हुए थे। वेलस्पन लिविंग लिमिटेड के शेयर बुधवार को 13 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 138.65 रुपए पर जा पहुंचे। के पी आर मिल लिमिटेड

के शेयर बुधवार को 8 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 1122.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। वहीं, अरविंद लिमिटेड के शेयरों में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली और कंपनी के शेयर 387 रुपए पर पहुंचे। वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। टेक्सटाइल कंपनी के शेयर बुधवार को 488 पर पहुंच गए।

‘निवेशक चार्टर से केवायसी एजेंसियां देंगी केआरए गतिविधियों की जानकारी

नई दिल्ली।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कहा कि उसने केवाईसी पंजीकरण करने वाली एजेंसियों (केआरए) के लिए एक ‘निवेशक चार्टर बनाया है, जिसमें निवेशकों को दी जाने वाली सेवाओं के साथ उनके अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्र का भी विवरण है। निवेशक चार्टर केआरए की गतिविधियों के साथ निवेशकों को क्या करें और क्या न करें के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस चार्टर का उद्देश्य कई गतिविधियों के बारे में निवेशकों की जागरूकता को बढ़ाने में मदद करना है। निवेशक और ग्राहक को निवेशक सेवा अनुरोधों का लाभ उठाने के लिए केवाईसी का पंजीकरण करने वाली एजेंसियों से निपटना होता है। केआरए निवेशकों या पंजीकृत मध्यस्थों को केवाईसी के पंजीकरण और संशोधन की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने के लिए आसान पहुंच प्रदान करती हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में पंजीकृत केआरए से निवेशक चार्टर को मौजूदा और नए निवेशकों के संज्ञान में लाने के लिए कहा है। उसने चार्टर को केआरए की वेबसाइट पर डालकर और कार्यालयों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने को कहा है। सेबी ने कहा है कि केवाईसी पंजीकरण एजेंसियां पंजीकृत मध्यस्थों से प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के केवाईसी रिकॉर्ड के पंजीकरण और संशोधन की सुविधा देती हैं, जिससे निवेशक की पहचान का सत्यापन और मान्यता तय होती है।

केरल में ईवी चार्जिंग पर नया नियम, रात में चार्ज करने पर होगा 30 फीसदी अधिक खर्च

नई दिल्ली।

केरल राज्य में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग को लेकर एक नया नियम लागू किया गया है, जिसके तहत अब रात के समय चार्ज करने पर ईवी मालिकों को 30फीसदी अधिक भुगतान करना होगा। केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने यह बदलाव किया है, जिसका असर पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों पर पड़ेगा। इस नए नियम के मुताबिक ईवी चार्जिंग को दो टाइम जोन में बांटा गया है। सोलर पीरियड, जो सुबह 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक होता है, में चार्जिंग करने पर 30फीसदी कम टैरिफ देना होगा। इसका मतलब है कि इस समय अगर चार्जिंग के लिए 100 रुपये खर्च होते थे, तो अब वही 70 रुपये में हो जाएगा। इसके विपरीत, नॉन-सोलर पीरियड यानी शाम 4 बजे से लेकर सुबह 9 बजे तक चार्जिंग करने पर 30फीसदी ज्यादा खर्च होगा। इससे यह तय हो गया है कि रात के समय चार्जिंग पर ईवी मालिकों को अधिक भुगतान करना पड़ेगा। यह नया टैरिफ पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों पर लागू होगा, जबकि घरेलू चार्जिंग पर इसका कोई असर नहीं होगा। फिलहाल यह नियम केरल में लागू किया गया है, लेकिन भविष्य में इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जा सकता है। चार्जिंग कंपनियों को भी अब एक नई चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यदि वे दिन के समय सोलर ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाते, तो उन्हें नुकसान हो सकता है, क्योंकि शाम के समय उपयोग की गई बिजली का क्रेडिट उन्हें नहीं मिलेगा। इस बदलाव से ईवी मालिकों को चार्जिंग की योजना बनाते समय अब समय का भी ध्यान रखना होगा। जो लोग दिन में

अपनी कार चार्ज कर सकते हैं, उनके लिए यह फायदा होगा, जबकि जो लोग रात में चार्ज करते थे, उन्हें अब अधिक खर्च करना होगा। सरकार का उद्देश्य ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना और ग्रिड पर दबाव कम करना है, जिससे यह बदलाव किया गया है।

एमआरएफ के शेयर खरीदने मची होड़, कंपनी ने किया हर शेयर पर 229 डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली।

टायर बनाने वाली कंपनी एमआरएफ लिमिटेड के शेयर बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर 4.8 फीसदी चढ़कर 141505 रुपए के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। इसका पिछला बंद प्राइस 134964.40 रुपए था यानी बुधवार को इस शेयर में 6,540 रुपए से ज्यादा तेजी आई। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के शानदार नतीजे और अब का सबसे ज्यादा डिविडेंड देने का ऐलान है। कंपनी ने बुधवार को अपने मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए 229 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। 10 रुपए के फेस वैल्यू पर डिविडेंड 2290 फीसदी होगा। एमआरएफ लिमिटेड ने बुधवार को जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 32.99 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। समीक्षाधीन तीन महीनों में लाभ पिछले साल की इसी अवधि के 370.52 करोड़ रुपए के मुकाबले 492.74 करोड़ रुपए रहा। टायर निर्माता का परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 11.43 फीसदी बढ़कर 7,074.82 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 6,349.36 करोड़ रुपए था। कुल व्यय भी बढ़ा, जो साल-दर-साल 10.33 फीसदी बढ़कर 6,526.87 करोड़ हो गया। एमआरएफ की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से

पहले की आय 1,043 करोड़ रुपए रही। तिमाही के लिए ईबीआईटीडीए मार्जिन पिछले साल की समान अवधि से 70 आधार अंक बढ़कर 14.3 फीसदी से 15 फीसदी हो गया।

अब दो हिस्सों में बंट जाएगी टाटा मोटर्स, शेयरहोल्डर्स की मिली मंजूरी

एक कंपनी यात्री वाहन तो दूसरी कमर्शियल वाहनों का करेगी कारोबार

TATA MOTORS DEMERGER
ET NOW स्वदेश
TATA

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स ने कहा कि उसके शेयरहोल्डर्स ने कंपनी को दो हिस्सों में बांटने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत अब टाटा मोटर्स दो अलग-अलग लिस्टेड कंपनियों में बंट जाएगी। एक कंपनी यात्री वाहन का कारोबार संभालेगी तो दूसरी कमर्शियल वाहनों का। टाटा मोटर्स ने मार्च 2024 में ही इस बंटवारे का प्रस्ताव रखा था। कंपनी का कहना था कि इससे दोनों कारोबारों को अलग-अलग फोकस मिलेगा और ग्रोथ के बेहतर मौके बनेंगे।

यात्री वाहन वाले हिस्से में कंपनी की लग्ज़री ब्रांड जगुआर लैंड रोवर भी शामिल होगी, जो कंपनी की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाला ब्रांड है। इस प्रस्ताव को शेयरहोल्डर्स ने करीब सर्वसम्मति से मंजूरी दी है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक इस प्लान के पक्ष में 99.9995 फीसदी वोट पड़े। बंटवारे के बाद हर शेयरहोल्डर को दोनों नई कंपनियों में बराबर हिस्सेदारी मिलेगी।

इसका मतलब ये है कि अब टाटा मोटर्स के यात्री और कमर्शियल वाहन बिज़नेस अलग-अलग लिस्टेड कंपनियां बन जाएंगे, जिनके अपने अलग बोर्ड, रणनीति और फोकस होंगे। इससे इन दोनों क्षेत्रों में तेज़ी से विकास की संभावना बढ़ेगी। इस खबर के बाद मंगलवार को बाजार खुलते ही टाटा मोटर्स के शेयरों में 6 फीसदी का उछाल आया और वे 675 रुपए पर पहुंच गया। सुबह 10 बजे बीएसई पर कंपनी के शेयर 3.29 फीसदी की बढ़त के साथ 669.10 रुपए पर ट्रेड कर रहे थे।

ट्रंप के आदेश का भारतीय दवा निर्यात पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दवाओं के उत्पादन को बढ़ावा देने और दवा संयंत्रों को मंजूरी देने में लगने वाले समय को कम करने के उद्देश्य से एक आदेश पारित किया हैं। भारत, अमेरिका में दवा का प्रमुख निर्यातक देश है। मीडिया रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों और विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप के इस कदम से भारतीय फार्मा निर्यातकों पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। फार्मा कंपनियों के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका में विनिर्माण का विस्तार करने का फैसला रणनीतिक फैसला है और यह कुछ खास उत्पादों पर निर्भर करेगा। एक प्रमुख फार्मा कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी ने कहा कि ज्यादा मार्जिन वाले या उन उत्पादों के लिए जहां किसी भारतीय कंपनी ने सह-विकास और मार्केटिंग के लिए अमेरिकी भागीदार बनाया है, वह अमेरिका में विनिर्माण इकाई शुरू करने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में विनिर्माण इकाई खोलने का फैसला कंपनियों और उत्पादों के हिसाब से अलग हो सकता है। यह व्यवहार्यता पर निर्भर करेगा। उन्होंने साफ कहा कि फिलहाल उनकी कंपनी की ऐसी कोई योजना नहीं है। फार्मा उद्योग के एक दिग्गज ने कहा कि अमेरिका का घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि हर देश रोजगार पैदा करना और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना चाहेगा। मुझे नहीं लगता कि इससे भारतीय निर्यातकों पर कोई असर पड़ेगा। हम व्यवहार्यता के आधार पर अमेरिका में उत्पादन स्थानांतरित करने का फैसला लेंगे। ट्रंप ने अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन को सुविधाएं ऑनलाइन होने से पहले शुरुआती सहायता प्रदान करने के लिए घरेलू विनिर्माताओं के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया है। विदेशी उत्पादकों के लिए स्वास्थ्य नियामक को एपीआई स्रोत रिपोर्टिंग में सुधार करने के लिए कहा गया है। आदेश में पर्यावरण संरक्षण एजेंसी को भी संयंत्रों के निर्माण में तेजी के लिए काम करने का निर्देश दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एफडीए आयुक्त ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के दौरान कहा कि नियामक का इरादा विदेशी संयंत्रों का औचक निरीक्षण शुरू करने का है। नियामक चाहता है कि औषधि विनिर्माण की निगरानी अमेरिका के नियमों के अनुरूप हो। ट्रंप के इस आदेश से भारतीय फार्मा कंपनियों के शेयरों पर असर पड़ा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर अरबिंदो फार्मा का शेयर 2.5 फीसदी गिर गया और निफ्टी फार्मा सूचकांक में 1.1 फीसदी की गिरावट आई।

मुंबई-पंजाब मैच अब धर्मशाला की जगह मुम्बई शिफ्ट किये जाने की संभावना

धर्मशाला। भारतीय सेना की पाकिस्तान और अधिकृत कश्मीर में आतंकियों पर की गयी कार्रवाई के बाद देश में कई जगहों पर सुरक्षा कारणों से हवाई अड्डे अस्थाई तौर पर बंद कर दिये हैं। ऐसे में 11 मई को धर्मशाला में होने वाला मुंबई-पंजाब का मैच अब मुम्बई में हो सकता है। आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले के बाद धर्मशाला हवाई अड्डा भी अन्य कई हवाई अड्डों के साथ ही अस्थायी रूप से बंद होने के कारण आईपीएल टीमों की यात्रा का कार्यक्रम भी बदलना होगा। जिन्हें वहां खेलना है। वहीं धर्मशाला में गुरुवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच में शायद ही कोई परेशानी आये। इसका कारण है कि धर्मशाला पंजाब किंग्स टीम का दूसरा घरेलू मैदान है। ऐसे में पंजाब टीम को यात्रा में कोई परेशान नहीं है क्योंकि वे इस हफ्ते के अंत तक वहीं रहेंगे। वहीं दिल्ली को देखना होगा कि उसके खिलाड़ी वापस कैसे आएंगे, जिन्हें रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर गुजरात टाइटन्स से खेलना है। दूसरी ओर मुंबई टीम का यात्रा कार्यक्रम भी अभी अनिश्चित है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा,'इस समय सब कुछ अनिश्चित है। टीमों से बात चल रही है और वे भी विचार कर रहे हैं कि हवाई अड्डा बंद रहने पर धर्मशाला से दिल्ली वापस कैसे आना है। उन्होंने कहा ,'दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक विकल्प बस से लौटने का है जिस पर विचार चल रहा है।

इंटर मिलान रोमांचक मुकाबले में बार्सिलोना को हराकर चैंपियंस लीग के फाइनल में

मिलान।

इंटर मिलान ने मंगलवार को बार्सिलोना पर सैन सिरो में सेमीफाइनल के दूसरे चरण में अतिरिक्त समय में 4-3 की नाटकीय जीत के बाद यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में प्रवेश किया। इंटर मिलान ने 7-6 के कुल स्कोर से जीत हासिल की। सिन्हुआ ने बताया कि सात बार के फाइनलिस्ट, जो आखिरी बार 2023 में खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे, 31 मई को म्यूनिख के एलियांज एरिना में फाइनल में आर्सेनल या पेरिस सेंट-जर्मेन का सामना करके अपना चौथा यूरोपीय खिताब हासिल करने की कोशिश करेंगे। लुटारो मार्टिनेज ने 21वें मिनट में गोल किया, फेडरिको डिमार्को द्वारा टचलाइन के पास फ्रेंकी डी जोंग को आउट करने के बाद, डेनजेल डमफ्रीज को सटीक क्रॉस करने का मौका देते हुए, उन्होंने गोल किया। मार्टिनेज को बॉक्स में गिराए जाने के बाद हाफटाइम से ठीक पहले पेनल्टी मिली और हकन कैलहानोग्लू ने स्पॉट से गोल करके इंटर को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद बार्सिलोना ने दूसरे हाफ में वापसी की। गेरार्ड मार्टिन के क्रॉस ने एरिक गार्सिया को 54वें मिनट में क्षेत्र के अंदर से वॉली किया। छह मिनट बाद, डैनी ओल्मो ने मार्टिन की डिलीवरी से एक शक्तिशाली हेडर के साथ मैच को बराबर कर दिया। 87वें मिनट में राफिन्हा ने रिबाउंड पर गोल करके स्कोर 3-2 कर दिया। लेकिन इंटर ने स्टॉपेज टाइम में वापसी की। डमफ्रीज ने दाईं ओर से एक और लो क्रॉस दिया जो फ्रांसेस्को एसरबी के पास पहुंचा, जिसके फिनिश ने अतिरिक्त समय की मांग की और घरेलू दर्शकों को फिर से उत्साहित कर दिया। विनर 99वें मिनट में आया, जब मार्कस थुरम ने दाईं ओर से गेंद को पीछे की ओर काटा और मेहदी तारेमी के पास पहुंचा दिया, जिन्होंने इसे डेविड फ्रेटेसी को दे दिया। इटालियन मिडफील्डर ने इंटर की शानदार वापसी को पूरा करने और फाइनल में जगह पक्की करने के लिए दूर कोने में एक शॉट लगाया। दो-चरण वाले इस मुकाबले में 13 गोल हुए, जो चैंपियंस लीग नॉकआउट राउंड मैचअप में सबसे अधिक गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करता है। इंटर ने इससे पहले 1964, 1965 और 2010 में प्रतियोगिता जीती थी। पांच बार के यूरोपीय चैंपियन बार्सिलोना को 2015 के बाद पहली बार फाइनल में वापसी से वंचित किया गया।

मुंबई-दिल्ली-केकेआर के लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल हुई

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीमों का जहां प्लेऑफ में पहुंचना तय है।

वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर और मुंबई इंडियंस (एमआईद्ध) पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

गुजरात और आरसीबी दोनो ही टीमों ने अब तक 8-8 मैच जीत लिए हैं जिससे दोनो के ही 16-16 अंक हैं पर गुजरात की टीम अच्छे रनरेट के कारण पहले जबकि आरसीबी दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों के अभी 3-3 मैच शेष हैं जिसमें एक-एक जीत से ये प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। वहीं पंजाब किंग्स के 11 मैचों से 15 अंक हैं और उसे अभी तीन मैच खेलने हैं। इनमें से एक जीत भी उसे प्लेऑफ में पहुंचा देगी। इसके अलावा मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स भी प्लेऑफ की दौड़ में हैं पर इनका राह बेहद कठिन है। मुंबई इंडियंस की टीम के अभी 14 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर है। उसे अभी दो मैच खेलने हैं। वह अगर वह इनमें से एक भी मैच हार जाए तो उसकी लिए प्लेऑफ में जगह बनान कठिन हो जाएगा। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के 11 मैच में 13 अंक हैं। वह अंक तालिका में पांचवें नंबर पर है। उसे प्लेऑफ खेलने के लिए बाकी बचे तीन मैचों में से कम से कम दो जीतने होंगे जबकि केकेआर के 11 हैं और वह अंक तालिका में छठे और लखनऊ सुपरजायंट्स 10 अंक लेकर सातवें नंबर पर है. इन दोनों ही टीमों के अभी तीन-तीन मैच बाकी हैं और इन्हें सभी मैच जीतने होंगे। केकेआर अगर अपने तीनों मैच जीत ले तो प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाएगी पर सुपरजायंट्स को सभी मैच जीतकर भी 16 अंक के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर आधारित रहना होगा।

मुंबई-पंजाब मैच अब धर्मशाला की जगह मुम्बई शिफ्ट किये जाने की संभावना

धर्मशाला।

भारतीय सेना की पाकिस्तान और अधिकृत कश्मीर में आतंकियों पर की गयी कार्रवाई के बाद देश में कई जगहों पर सुरक्षा कारणों से हवाई अड्डे अस्थाई तौर पर बंद कर दिये हैं। ऐसे में 11 मई को धर्मशाला में होने वाला मुंबई-पंजाब का मैच अब मुम्बई में हो सकता है। आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले के बाद धर्मशाला हवाई अड्डा भी अन्य कई हवाई अड्डों के साथ ही अस्थायी रूप से बंद होने के कारण आईपीएल टीमों की यात्रा का कार्यक्रम भी बदलना होगा। जिन्हें वहां खेलना है। वहीं धर्मशाला में गुरुवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच में शायद ही कोई परेशानी आये। इसका कारण है कि धर्मशाला पंजाब किंग्स टीम का दूसरा घरेलू मैदान है। ऐसे में पंजाब टीम को यात्रा में कोई परेशान नहीं है क्योंकि वे इस हफ्ते के अंत तक वहीं रहेंगे। वहीं दिल्ली को देखना होगा कि उसके खिलाड़ी वापस कैसे आएंगे, जिन्हें रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर गुजरात टाइटन्स से खेलना है। दूसरी ओर मुंबई टीम का यात्रा कार्यक्रम भी अभी अनिश्चित है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा,'इस समय सब कुछ अनिश्चित है। टीमों से बात चल रही है और वे भी विचार कर रहे हैं कि हवाई अड्डा बंद रहने पर धर्मशाला से दिल्ली वापस कैसे आना है। उन्होंने कहा ,'दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक विकल्प बस से लौटने का है जिस पर विचार चल रहा है।

तीरंदाजी विश्व कप चरण 2: शंघाई में स्वर्ण के लिए खेलेंगी भारतीय पुरुष और महिला कम्पाउंड टीमें

शंघाई।

भारत की पुरुष और महिला टीमों ने अपने-अपने सेमीफाइनल में जीत के बाद तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में कम्पाउंड टीम फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अभिषेक वर्मा, ओजस प्रवीण देवताले और ऋषभ यादव की मौजूदगी वाली पुरुष टीम ने कड़े सेमीफाइनल में डेनमार्क को 232-231 से हराया। 2134 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन लीडरबोर्ड में शीर्ष पर रहने वाली पुरुष टीम को पहले दौर में बाई मिली और उसने ग्रेट ब्रिटेन पर 239-232 के अंतर से क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। एक महीने पहले सेंट्रल फ्लोरिडा चरण में कांस्य पदक जीतने वाले देवताले ने टीम की तैयारी और फोकस की प्रशंसा की। उन्होंने विश्व तीरंदाजी से कहा, हमने टीम मैच के लिए अभ्यास किया है ताकि फाइनल में जगह बनाई जा सके। फ्लोरिडा में, हम पदक के एक अलग रंग की उम्मीद कर रहे थे, और इस बार हमने ऐसा किया। वर्मा और यादव ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। हम यह नहीं देख रहे हैं कि हमारे खिलाफ कौन है, हम सिर्फ अपने आप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हमें अच्छा शूट करना है। हम किसी अन्य टीम या किसी अन्य खिलाड़ी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं। हम सिर्फ अपने लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। हमें स्कोर करना है। महिला टीम, जिसे 2114 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद शुरुआती दौर में बाई मिली थी, ने आठवें स्थान पर रहने वाली कजाकिस्तान पर 232-229 क्वार्टर फाइनल जीत के बाद ग्रेट ब्रिटेन को 232-230 से हराकर स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाई। डेनमार्क ने कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य जीता, जबकि तुर्किये ने महिला वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया। पुरुष और महिला दोनों ही टीमें शनिवार को होने वाले अपने-अपने स्वर्ण पदक मैच में मैक्सिको से भिड़ेंगी।

संक्षिप्त समाचार

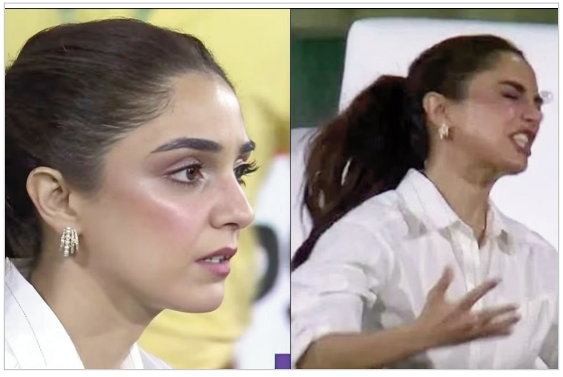

कव्या की नकल करती दिखीं पीएसएल में अभिनेत्री माया अली

लाहौर।

भारत में जिस प्रकार आईपीएल चल रहा है उसी प्रकार पाकिस्तान में भी पीएसएल चल रहा है। ऐसे में पीएसएल का भी एक वीडियो आया है। इसमें कराची किंग्स और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच मुकाबला खेला गया था। इसमें कराची किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए जबकि क्वेटा ग्लेडिएटर्स की टीम 119 रन बनाकर हार गयी। इस दौरान क्वेटा ग्लेडिएटर्स की हार के साथ ही सबसे निराश अभिनेत्री माया अली नजर आयीं। माया क्वेटा ग्लेएडिएटर्स की प्रशंसक हैं और अपनी खूबसूरत अदाओं के लिए जानी जाती हैं। मैच के दौरान उनके चेहरे के हाव-भाव भी अलग तरह के थे। इससे सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि माया , काव्या मारन की नकल कर रही हैं। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या भी मैदान पर इसी तरह अपनी टीम का उत्साह बढ़ाती नजर आयी हैं। विकेट गिरने से लेकर, चौके-छक्के उड़ने और कैच गिरने तक उनके चेहरे का रंग बदलता रहता है। वहीं माया पिछले कई सीजन से बतौर ब्रांड एंबेसडर क्वेटा ग्लैडिएटर्स के साथ जुड़ी हैं। माया पाकिस्तान की सबसे अमीर अभिनेत्रियों में से एक हैं।

आईपीएल छोड़ सकते हैं वेस्टइंडीज के ये तीन खिलाड़ी

नई दिल्ली।

रोमारियो शेफर्ड सहित आईपीएल में खेल रहे वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ी शेरफेन रदरफोर्ड और शमार जोसेफ अपनी अपनी टीमों का साथ छोड़ सकते हैं। इसका कारण है कि इन्हें इसी माह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल किया गया है। शेफर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की ओर से खेल रहे हैं। वहीं शेरफेन रदरफोर्ड गुजरात टाइटंस और जोसेफ शेफर्ड लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से खेल रहे हैं।वेस्टइंडीज को 21 मई से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ 3-3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। वहीं दूसरी ओर, आईपीएल 2025 के प्लेऑफ मुकाबले 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे। इसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। शेफर्ड आईपीएल छोड़कर एकदिवसीय सीरीज खेलने आयरलैंड जाते हैं तो यह आरसीबी के लिए बड़ा झटका होगा। इसी तरह रदरफोर्ड भी गुजरात टाइटंस के अहम खिलाड़ी हैं। वहीं शमार को अब तक सुपरजायंट्स से खेलने का अवसर नहीं मिला है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भी इस बारे में अभी तक अपने खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बनाया है. संभव है कि आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीमों में शामिल खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज बोर्ड थोड़ा समय दे दे। वेस्टइंडीज की टीम पहले आयरलैंड से वनडे सीरीज खेलेगी. इसके मैच 21, 23 और 25 मई को खेले जाएंगे।

क्रिकेट जगत ने भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक को सही जवाब बताया

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट जगत ने भी पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक की प्रशंसा की है।

क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के अलावा सचिन तेंदुलकर , वीरेंद्र सहवाग , हरभजन सिंह व सुरेश रैना सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को सही जवाब करार दिया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही सेना को कार्रवाई के लिए कहा गया था।

ऐसे में सेना ने पाक आतंकियों के 9 ठिकानों पर जबरदस्त हमले किये। सेना अधिकारियों ने इसे संयमित लेकिन ठोस जवाब बताया।

गंभीर के अलावा पूर्व क्रिकेटर व कमेंटेटर आकाश चोपड़ा और प्रज्ञान ओझा ने भी सोशल मीडिया पर सेना की प्रशंसा करते हुए जय हिंद लिखा।

वहीं हरभजन सिंह ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, जय हिंद, यह हमारे निर्दोष भाइयों की निर्मम हत्या का जवाब है।

रैना ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस ऑपरेशन से जुड़ी तस्वीरें साझा कर सेना का समर्थन किया।

सचिन तेंदुलकर ने भी एक्स पोस्ट पर लिखा, भारत की ढाल उसके लोग हैं। इस दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हम एक टीम हैं!जय हिंद

इसके अलावा पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, अगर कोई आप पर पत्थर फेंके तो उसपर फूल फेंकों, लेकिन गमले के साथ। जय हिंद।

युव क्रिकेटर वरुण चक्रवर्ती ने भी इस ऑपरेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया में जारी की हैं।

पूर्व गेंदबाज चेतन शर्मा ने कहा, ÷जब बात सुरक्षा की हो, तो भारत संकोच नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर कोई जवाब नहीं, बल्कि हमपर हमला करने वालों को एक सख्त संदेश है।÷

वहीं पूर्व महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने भी कहा, सटीकता, उद्देश्य और ताकत। भारत इसी तरह जवाब देता है।

सेना इस कार्रवाई में आम लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया और केवल आतंकियों पर निशाना साधा गया।

नेपाल अंतराष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट कराते स्पर्धा के लिए टीम घोषित

भोपाल।

नेपाल कराते महासंघ के तत्वाधान में एवं विश्व कराते संघ के सानिध्य में दिनांक 16 से 19 मई तक काठमांडू नेपाल में आयोजित होने वाली 11वि माउंट एवरेस्ट अंतर्राष्ट्रीय कराते स्पर्धा में रतलाम भोपाल व इंदौर के 10 खिलाड़ी एलेट स्पोर्ट्स से देश का प्रतिनिधित्व करेंगे ये खिलाड़ी स्कूल शिक्षा विभाग की संभाग स्तरीय स्पर्धा एवं खेल युवा कल्याण की राज्य स्तरीय फेंसिंग व कराते स्पर्धा में भी खेल चुके है । हाल ही में ऋषिकेश में हुई राष्ट्रीय कराते स्पर्धा में भी पदक हासिल कर चुके है । चयनित खिलाड़ियों में इंदौर से राजवीर सिंह जादौन, शुभ गांधी ,रचित खोट , साक्षी लोधी शामिल है । रतलाम से आर्यन बाली ,चयन भाटी ,शौर्य चावड़ा , माही बाली शामिल है । भोपाल से अश्विन राठौर एवं माही धारू शामिल है । स्पर्धा के मुख्य अतिथि नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल होंगे । टीम के मुख्य कोच अमय लश्करी होंगे । चयनित खिलाड़ियों को एलेट स्पोर्ट्स अकादमी की अध्यक्ष मीनू गौर ने बधाई दी ।

धीमी ओवर गति के लिए हार्दिक , आचारसंहिता उल्लंघन के लिए नेहरा पर जुर्माना

मुंबई।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में दोहरा झटका लगा है। टीम की हार के बाद धीमी ओवर गति के लिए उनपर जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में धीमी ओवर गति से जुड़ा मुंबई इंडियंस का दूसरा मामला था। इसलिए, पांड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित अंतिम ग्यारह के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। हार्दिक से पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, शुभमन गिल (गुजरात टाइटन्स), अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स), संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), रियान पराग (राजस्थान रॉयल्स) और हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस) पर इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया था। इसके अलावा, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा को अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई। उन पर फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया।एक बयान में कहा गया है, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उन्हें एक नकारात्मक अंक भी दिया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है। यह खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है इसमें उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया है।

धीमी ओवर गति के लिए हार्दिक , आचारसंहिता उल्लंघन के लिए नेहरा पर जुर्माना

मुंबई।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में दोहरा झटका लगा है। टीम की हार के बाद धीमी ओवर गति के लिए उनपर जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में धीमी ओवर गति से जुड़ा मुंबई इंडियंस का दूसरा मामला था। इसलिए, पांड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित अंतिम ग्यारह के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

हार्दिक से पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, शुभमन गिल (गुजरात टाइटन्स), अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स), संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), रियान पराग (राजस्थान रॉयल्स) और हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस) पर इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया था।

इसके अलावा, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा को अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई। उन पर फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया।एक बयान में कहा गया है, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उन्हें एक नकारात्मक अंक भी दिया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है। यह खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है इसमें उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया है।

गंभीर दो पूर्व कप्तानों पर भड़के बोले, भारतीय क्रिकेट को निजी जागीर समझ रहे

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि जो शीशे के घरों में रहते हैं उन्हें किसी और पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिये। गंभीर ने किसी का नाम नहीं लेते हुए दो पूर्व कप्तानों पर तंज कसा है। गंभीर ने इन दो पूर्व दिग्गजों पर भारतीय क्रिकेट को अपनी 'निजी जागीर' समझने का भी आरोप लगाया है। गंभीर ने कहा, 'मैं आठ महीने से काम में लगा हूं इसके बाद अगर परिणाम नहीं आते हैं तो आलोचना होनी चाहिये पर कुछ लोगों का काम ही आलोचना करना है। साथ ही कहा कि ऐसे लोग भी हैं जो 25 साल से कमेंट्री बॉक्स में बैठे हैं और उन्हें लगता है कि भारतीय क्रिकेट उनकी निजी जागीर है पर भारतीय क्रिकेट किसी की निजी संपत्ति नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों की है। इन लोगों ने मेरी कोचिंग, मेरे रिकॉर्ड से लेकर सिर में लगी चोट और चैंपियंस ट्रॉफी की इनामी राशि तक में सवाल उठाए थे। मुझे किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि मैंने कहां पैसा खर्च किया है और कहां निवेश किया है लेकिन इस देश को यह पता होना चाहिए कि ऐसे खिलाड़ी एनआरआई हैं जो भारत में कमाते हैं और पैसा बाहर ले जाते हैं। मैं 180 दिन बिताने के लिए 11-55 बजे भारत नहीं आता। मैं एक भारतीय हूं। मैं टैक्स बचाने के लिए कभी एनआरआई नहीं बनूंगा।' गौरतब है कि भारत के एक पूर्व मुख्य कोच ने साल 2011 में इंग्लैंड के हाथों टीम की 0-4 से हार के दौरान गंभीर की सिर पर लगी चोट को सामान्य बताया था। जहां तक चैंपियंस ट्रॉफी की पुरस्कार राशि का सवाल है तो यह भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर थे, जिन्होंने कहा था कि क्या गंभीर भी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ की तरह सहयोगी स्टाफ के साथ अपनी प्राइज मनी बराबर बाटेंगे? गंभीर ने टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा के साथ अपने मतभेदों को लेकर चल रही अटकलों को भी अधारहीन बताया है।

अप्रैल में फैमिली के साथ इन शानदार जगहों को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, हर पल रहेगा यादगार

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं। अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। गर्मी के कारण लोग फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती का प्लान बनाते हैं। लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

मैक्लॉडगंज

अगर आप अप्रैल के महीने में हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में फैमिली संग घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो मैक्लॉडगंज आपके लिए परफेक्ट जगह है। यह हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। जोकि धर्मशाला से करीब 5 किमी दूर है।

अप्रैल में मैक्लॉडगंज का मौसम सुहावना रहता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ यहां पर यादगार पल बिता सकते हैं। आप मैक्लॉडगंज में फैमिली के साथ सेंट जॉन चर्च, नड्डी व्यू पॉइंट, भागसूनाग वाटरफॉल और डल झील जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (Dassam Falls), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई: दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में फ्रदाशोंगफ्र का अर्थ होता है पानी का गिरना । समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना: यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य : जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए NH-33 (अब NH-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर)ः इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : नि :शुल्क

पार्किंग: पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ: जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओजार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में खुशी का माहौल, नेता कर रहे सेना को सलाम

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बुधवार को भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस एयर स्ट्राइक को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। देर रात हुए इस हमले के बाद बुधवार को भारत में खुशी का माहौल है। इस एयर स्ट्राइक पर राजनीतिक दलों के दिग्गज नेताओं ने भारत माता की जय लिखकर भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद।' कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- ÷पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले सभी प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक अडिग राष्ट्रीय नीति है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों पर नाज है, जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया है। हम उनके दृढ़ संकल्प और साहस की सराहना करते हैं। राष्ट्रीय एकता और एकजुटता समय की मांग है और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों के साथ खड़ी है। हमारे लिए राष्ट्रीय हित सर्वोच्च है। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने लिखा- हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं- आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। जय हिंद, जय भारत। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोपरि बताते हुए लिखा- भारत की सुरक्षा से बड़ा कोई प्रश्न नहीं है। आतंकवाद जहां से भी उपजे उसका निर्मूलन राष्ट्रीय हित में जरुरी है। इस लड़ाई में कोई समझौता नहीं हो सकता। कांग्रेस पार्टी स्पष्ट कर चुकी है कि देश की सुरक्षा से जुड़े हर निर्णायक कदम में वह सरकार और सेना के साथ मजबूती से खड़ी है। यह समय राष्ट्रीय एकता का है। हम एकजुट हैं- देश के साथ, सेना के साथ। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने लिखा- आतंकवाद को उसके सभी रूपों में समाप्त करना होगा। पीओके में किए गए सटीक हमले आतंकवाद के खिलाफ हैं और भारतीय रक्षा बलों को उन जगहों पर सटीक निशाना लगाने के लिए बधाई, जहां आतंकवाद को पनाह दी जा रही थी। उन पर इतनी जोरदार चोट करें कि आतंकवाद को फिर कभी मौका न मिले। जय हिंद।

पाकिस्तान पर हमले के बाद कई शहरों में उड़ानें रद्द, स्कूल-कॉलेज बंद

भारतीय सेना हवाई क्षेत्र पर रख रही कड़ी नजर

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर इंडियन एयरलाइंस ने श्रीनगर समेत उत्तर भारत के कई शहरों से उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं, हवाई क्षेत्र में बदलती स्थितियों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट ने बुधवार को यात्रियों के लिए ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। बता दें भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल दागे, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना मुरीदके भी शामिल है। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी आधिकारिक बयानों के मुताबिक कश्मीर के तीन जिलों, जम्मू के पांच जिलों और पंजाब के तीन सीमावर्ती जिलों में सभी स्कूल और कॉलेज बुधवार को बंद हैं। साथ ही 7 मई को होने वाली कश्मीर विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। सरकार के बयान के मुताबिक 7 मई की सुबह भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर किया गया। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना को तैनात किया गया था और पीएम मोदी लगातार स्थिति पर नजर रख रहे थे। इस बीच पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भावलपुर के साथ-साथ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कोटली और मुजफ्फराबाद में तीन जगहों पर हवाई हमले किए। वहीं, भारत सरकार के बयान के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर पर बुधवार सुबह 10-30 बजे एक प्रेस कांफ्रेंस भी की गई। वहीं, उत्तर प्रदेश पुलिस की एक्स पर की गई पोस्ट के मुताबिक सभी फील्ड यूनिट्स को रक्षा इकाइयों के साथ समन्वय करने और महत्वपूर्ण इकाइयों के आसपास सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया कि यूपी पुलिस हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क सुसज्जित और पूरी तरह तैयार है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई की चिंताओं के बीच भारतीय हवाई क्षेत्र पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

अफगानी पत्रकार ने लाइव शो में पाकिस्तानी मंत्री की कर दी बोलती बंद

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्ताननी दावों की खोल दी पोल

नई दिल्ली।

भारत के एयर स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार विदेशी मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते नजर आए। अपना पक्ष रखने की कोशिश में भारत पर आरोप लगाने लगे, लेकिन उन्हें इसका करारा जवाब मिला। एक अफगान मूल की तेज़तर्रार पत्रकार याल्दा हकीम ने पाकिस्तानी सूचना मंत्री तरार से ऐसा तीखा सवाल पूछ डाला कि मंत्री महोदय की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। याल्दा हकीम ने बेहद सख्त लहजे में कहा, दुनिया को बेवकूफ बनाना बंद कीजिए।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि पाकिस्तान ने दशकों तक आतंकियों को पाला-पोसा है। इस एक लाइन ने मंत्री का चेहरा देखने लायक बना दिया। जवाब देने के बजाय वो बगलें झांकते नजर आए और विषय बदलने की कोशिश करने लगे।

तरार ने पत्रकार के सवालों पर दावा किया कि पाकिस्तान में कोई आतंकी शिविर नहीं है और उसने हमेशा पश्चिमी सीमा पर आतंकियों से लड़ाई लड़ी है। एंकर ने रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हाल ही में दिए बयान का जिक्र किया और याद दिलाया कि खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक सप्ताह पहले इसी शो में स्वीकार किया था कि पाकिस्तान ने दशकों तक आतंकी गुटों को समर्थन, फंडिंग और प्रशिक्षण दिया है। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ और पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो भी इस नीति की सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर चुके हैं। यहां तक कि बिलावल भुट्टो भी स्वीकार कर चुके हैं। अफगान मूल की पत्रकार ने लाइव शो में पाकिस्तानी मंत्री को खूब लताड़ा और ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के उन तमाम दावों की पोल खोल दी है जिसमें वह कहता रहा है कि उसका आतंकवाद से कोई लेना-देना नहीं है।

पाकिस्तानी मंत्री दुनिया के सामने चीख-चीखकर ये कहते रहते हैं कि वो खुद आतंकवाद से त्रस्त है और उसके यहां आतंकी हमलों के पीछे भारत का हाथ है। दुनिया के कई मंचों पर पाकिस्तान आतंकवाद के मुद्दे पर घिरा रहा है, लेकिन इस बार जो हुआ उसने पूरे मीडिया जगत का ध्यान खींच लिया।

पाक में आतंकी ठिकानों पर तबाह करने पर सपा प्रमुख ने कहा- 'पराक्रमो विजयते'

लखनऊ।

पहलगाम आतंकी हमले का भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-'पराक्रमो विजयते'।

वहीं समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने भी ऑपरेशन सिन्दूर की प्रशंसा करते हुए एक्स पर लिखा- 'जय हिंद'।

बता दें मंगलवार देर रात पाकिस्तान के बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, सियालकोट समेत कई अन्य ठिकानों पर भारत ने एयर स्ट्राइक कर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। जानकारी मिल रही है कि इस हमले में 70 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक भारतीय सेना ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश ए मोहम्मद का हेडक्वार्टर को उड़ा दिया है। मुरीदके में लश्कर ए तैयबा का हेडक्वार्टर तबाह कर दिया यहां लश्कर के 62 आतंकियों के मारे जाने की खबर है। मुजफ्फराबाद में हिजबुल मुजाहिद्दीन का अड्डा भी तबाह कर दिया गया है। कोटली में टेरर कैंप, गुलपुर, भिंबर, चक अमरू में टेरर लॉन्च पैड और सियालकोट में आतंकी कैंप को तबाह कर दिया गया है।

बता दें पहलगाम आतंकी हमले के 14 दिन बाद भारतीय सेना ने बदला ले लिया, जिसके बाद देश भर में उत्साह का माहौल है। देश में लोग आतिशबाजी कर जश्न मना रहे हैं। साथ ही मांग कर रहे हैं कि अब पीओके भी वापस लो।

पाकिस्तान और पीओके में भारत की सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य

संदीप दीक्षित ने कहा- हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम

नई दिल्ली।

भारत ने पहलगाम हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक कर लिया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने भारतीय सेना को बधाई दी है। दीक्षित ने कहा कि खबरों के मुताबिक भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय को तबाह कर दिया है। इससे पहले संदीप दीक्षित ने एक्स पोस्ट में लिखा- अभी सुबह-सुबह खबर मिली कि हमारी तीनें सेनाओं ने मिलकर पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, जहां-जहां से आतंक जन्म लेता था और पनपता था, उस कोख को बर्बाद कर दिया है। हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने पाकिस्तान पर हुए एयर स्ट्राइक पर कहा है कि हम भारतीय सेना के साथ हैं और यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसका पूरा समर्थन करेंगे। हम सरकार के साथ हैं। देश की इच्छा थी कि पाकिस्तान को एक बार उसकी औकात बताएं। पाकिस्तान बार-बार आंख मिचौली का खेल खेलकर हमारे लोगों को मारता था और अपनी दहशतगर्दी से बाज नहीं आ रहा था। उसको सबक सिखाने की जरूरत थी और वह कदम भारतीय सेना ने उठाया। बता दें भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल दागे, जिनमें आतंकवादी समूह लश्कर-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 28 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए थे और पीएम मोदी लगातार आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बात कर रहे थे।

बीजेपी की प्रवक्ता मसूद अजहर पर बोलीं, इतनी आसान मौत थोड़ी मिलेगी

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी मसूद अहजर के परिवार के 14 सदस्य ढेर कर दिए गए। इस बीच मसूद अजहर को लेकर बीजेपी की प्रवक्ता राधिका खेरा ने कहा कि उसे इतनी आसान मौत नहीं मिलेगी। सूत्रों की मानें तो अजहर का भाई आतंकी रऊफ असगर ऑपरेशन में गंभीर रूप से घायल हुआ है। आतंकी मसूद अजहर का जिक्र कर बीजेपी की प्रवक्ता ने कहा इतनी आसान मौत थोड़ी मिलेगी। भारतीय सेना तुझे गोली से नहीं, तड़पा-तड़पा के इतिहास से मिटाएगी। हर सांस तेरे लिए सज़ा बनेगी। राधिका खेरा ने अपने एक और सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मसूद अजहर के 'वारिस' खत्म। 14 लाशें गिनी गईं। बीवी-बेटा-पूरा खूनख़राबे का खानदान, सब खत्म। सिर्फ़ बदला नहीं, भारत ने नस्लें जला दीं। मोदी जी ने चेताया था कल्पना से भी बड़ी सज़ा मिलेगी। भारतीय सेना ने जलते घरों में वो भविष्य लिखा जो पाकिस्तान सपने में नहीं सोच सकते। जय हिन्द। इसके साथ ही राधिका खेरा लिखा, ये नया भारत है। घर में घुस कर मारता है। और फिर हमारी थल सेना-वायु सेना की जांबाज़ महिलाएं देश को इसकी पूरी सूचना प्रेस वार्ता के ज़रिए देती है। जय हिन्द। बता दें कि राधिका खेरा ने जिन जांबाज महिलाओं का जिक्र किया है वो सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह हैं। सोफिया कुरैशी कर्नल हैं तो वहीं व्योमिका सिंह एयरफोर्स की विंग कमांडर हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को दोनों महिला अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। कर्नल सोफिया ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में मारे गए मासूम नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए लॉन्च किया गया था। इस कार्रवाई में 9 आतंकी कैंपों को टारगेट किया गया और पूरी तरह से इसे बर्बाद किया गया।

OPERATION
SINDOOR

दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में बताने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी मूल रूप से वडोदरा की हैं

एमएसयू में बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई करने के बाद सोफिया कुरैशी सेना में शामिल हो गईं और देश की सेवा कर रही हैं

अहमदाबाद।

गुजरात की धरती की एक बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी आज देश के लिए गौरव की जीती-जागती प्रतिमूर्ति बन गई हैं। भारतीय सेना की इस बहादुर महिला अधिकारी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में मीडिया को संबोधित कर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कर्नल सोफिया कुरैशी मूल रूप से वडोदरा की रहने वाली हैं और एम.एस. की छात्रा हैं। उन्होंने 1997 में विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। अपने वैज्ञानिक अध्ययन के बाद, उन्होंने भारतीय सेना को चुना और सिग्नल कोर में शामिल होकर कई सफलताएँ हासिल कीं। उनके दादा भी भारतीय सेना से जुड़े थे। जिन्होंने धार्मिक शिक्षक के रूप में सेवा में योगदान दिया। सैन्य परंपरा में पली-बढ़ी सोफिया और उनके पति आज भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री में अधिकारी हैं। दोनों देश की रक्षा के लिए समर्पित हैं। 2016 में कर्नल सोफिया ने भारतीय सेना के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वह भारतीय सेना का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं और आसियान प्लस देशों के बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास फोर्स 18 में भाग लेने वाले 18 देशों में एकमात्र महिला कमांडर बनीं। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने वैश्विक स्तर पर अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल क्षेत्र में योद्धाओं की भूमिका निभाई है, बल्कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय शांति मिशनों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के तहत उन्हें 2006 में छह वर्ष के कार्यकाल के लिए कांगो में तैनात किया गया था। उन्होंने शांति स्थापना और मानवीय सहायता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनका स्पष्ट संदेश है, संघर्ष क्षेत्रों में शांति लाने के प्रयास मेरे लिए गौरव का क्षण रहे हैं। कर्नल सोफिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ मिलकर देश की सुरक्षा पर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आज होगी सर्वदलीय बैठक, सरकार विपक्ष से करेगी चर्चा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी राजनीतिक दलों की एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक 8 मई यानी गुरुवार सुबह संसद भवन परिसर में होगी। सरकार का उद्देश्य विपक्षी दलों को ऑपरेशन के विवरण और आगे की रणनीति से अवगत कराना है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि सर्वदलीय नेताओं की यह बैठक संसद पुस्तकालय भवन के समिति कक्ष जी-074 में होगी। बता दें भारतीय सेना ने बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये हमले पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया गया है। मंत्रालय ने साफ कहा कि हमले केंद्रित, संयमित और गैर-उत्तेजक थे और पाकिस्तानी सैन्य सुविधाओं को निशाना नहीं बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय के बयान के मुताबिक निशाने पर लिए गए आतंकी ठिकाने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े थे। इनमें बहावलपुर और मुरीदके जैसे स्थान शामिल थे, जहां आतंकी संगठनों के मुख्यालय मौजूद हैं। भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा के उन प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट किया गया, जहां 2008 के मुंबई हमले के आतंकी अजमल कसाब और डेविड हेडली को प्रशिक्षित किया गया था। सर्वदलीय बैठक का आयोजन आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय एकजुटता प्रदर्शित करने और ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति पर चर्चा करने के लिए किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, और अन्य वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

विश्व को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाना चाहिए- जयशंकर

नई दिल्ली। भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा, विश्व को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाना चाहिए। इस पूरे ऑपरेशन पर भारत के प्रधानमंत्री नजर बनाए हुए हैं। हमले के लिए जिम्मेदार समूहों से जुड़े आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर यह ऑपरेशन सटीकता के साथ किया गया। भारत सरकार ने पुष्टि की है कि सभी 9 ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान में कोई भी नागरिक या सैन्य ढांचा प्रभावित नहीं हुआ। बता दें कि पहलगाम हमले के ठीक 15 दिन बाद भारत ने पाकिस्तान से पहलगाम हमले का बदला ले लिया। पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस एयर स्ट्राइक को ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर ऑपरेशन की प्रगति पर बारीकी से नजर रखी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े। भारतीय सेना के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि हमले केंद्रित, नपे-तुले और उकसावे के नहीं थे।

कुत्तों का आतंक! अब तक 250 लोगों को काटा, घर से निकलने से डर रहे लोग

फरीदाबाद।

बल्लभगढ़ के पंजाबी मोहल्ले में आवारा कुत्तों का आतंक है यहां लोगों का घर से निकलना मुश्किल है। लोगों का कहना है कि सुबह-सुबह दो कुत्ते लगातार लोगों को काट रहे हैं जो भी गली में आता जाता है, उन पर हमला कर देते हैं। अब तक करीब 250 लोगों को यह कुत्ते काट चुके हैं। इस डर से लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं, जिन्हें जरूरी काम से बाहर जाना होता है तो वह डंडा लेकर निकलते हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया सुबह-सुबह ही ये कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। पार्षद से इसकी शिकायत की थी, उन्होंने कहा कि वह बाहर हैं कुछ नहीं कर सकते। अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों को काट चुके हैं। मोहल्ले की रहने वाली एक महिला ने बताया सुबह 8 बजे से ही मोहल्ले में दहशत का माहौल है। हर किसी के हाथ में डंडा रहता है कोई भी बाहर निकलने की हिम्मत नहीं कर रहा। बच्चे महिलाएं सब डरे हुए हैं। शिकायत के बाद भी नगर निगम कार्रवाई नहीं कर रहा है। मोहल्ले के पार्षद भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

आलोचना करने का उद्देश्य ''सुरक्षाबलों का मनोबल कम करना- खरगे के बयान पर बोली भाजपा

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर खुफिया विफलता को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की है, जिसके बाद भाजपा ने मंगलवार को दावा किया कि आलोचना करने का उद्देश्य ''सुरक्षाबलों का मनोबल कम करना है. झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि खरगे की टिप्पणी ऐसे महत्वपूर्ण समय पर आई है जब ''आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है.

ऑटोमोबाइल निर्माताओं का कार डीलरों पर भारी दबाव

कार डीलरों के पास स्टॉक ज्यादा बिक्री कम, खर्चा बढा मुनाफा घटा

मुंबई भोपाल। भारत में प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनियों द्वारा डीलरों के ऊपर भारी दबाव बनाया जा रहा है। वाहन डीलरों के पास जितना स्टॉक है। उसकी तुलना में बिक्री कम है। स्टाक भी ज्यादा दिन रखना पड़ रहा है। डीलरों के ऊपर बैंक ब्याज बढ़ रहा है। उनका मुनाफा घट रहा है। वाहन निर्माता कंपनी डीलरों के पास ज्यादा से ज्यादा स्टाक रखना चाहती है। कंपनी बिना आर्डर के डीलरों को वाहन भेज रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा बिक्री का दबाव बनाया जा रहा है। बाजार में वाहनों की मांग कम हो रही है। ऐसी स्थिति में डीलर काफी परेशान हैं। फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने वाहन निर्माता कंपनियों के दबाव पर आपत्ति जताते हुए विरोध दर्ज कराया है। संगठन का कहना है, डीलरों का मार्जिन पहले की तुलना में घटा है। बिक्री बढ़ाने के लिए ज्यादा डिस्काउंट देना पड़ रहा है। ज्यादा स्टॉक रखने के कारण बैंक का ब्याज डीलरों के ऊपर बढ़ता चला जा रहा है। बाजार में जिस तरह की प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। उसमें डीलर का मार्जिन कम हो रहा है। वाहन निर्माता कंपनियों द्वारा वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए नए-नए डीलर तैयार किये जा रहे हैं। जिसके कारण वाहन डीलरों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

मिशिगन में फलस्तीन समर्थक सात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आरोप वापस लिए गए

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के सरकारी वकीलों ने मिशिगन में फलस्तीन समर्थक सात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आरोप वापस लेने का फैसला लिया है। इन पर एक वर्ष पहले मिशिगन विश्वविद्यालय में फलस्तीनी समर्थक शिविर में तोड़फोड़, पुलिस के विरोध और अतिक्रमण करने जैसे आरोप लगे थे। अटॉर्नी जनरल डाना नेसेल ने कहा कि उनका मानना है कि मामले मजबूत हैं, लेकिन वे आलोचना और अन्य कारणों से थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि वाश्टेनॉ काउंटी के एक न्यायाधीश ने कई तारीखों पर सुनवाई के बावजूद अभी तक यह तय नहीं किया है कि मामलों को ट्रायल कोर्ट में भेजा जाए या नहीं। डेमोक्रेट समर्थक माने जाने वाले नेसेल ने कहा, पूर्वाग्रह, निराधार और बेतुके आरोपों के कारण माहौल बिगड़ रहा है। ध्यान भटकाने वाली बातों और लगातार हो रही देरी ने एक सर्कस जैसा माहौल बना दिया है। इस कारण वे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आरोप वापस लेने पर सहमत हैं। बचाव पक्ष के वकील आमिर मैकलेड ने कहा कि नेसेल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपराध में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

सिंगापुर की नई संसद में विपक्ष के नेता रहेंगे प्रीतम सिंह : वोंग

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने पुष्टि की है कि वर्कर्स पार्टी के महासचिव प्रीतम सिंह 3 मई के आम चुनाव के बाद नई संसद में विपक्ष के नेता बने रहेंगे। सोमवार को एक फेसबुक पोस्ट में वोंग ने कहा, सिंह के पास अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए स्टाफ और संसाधन भी होंगे।

हथकड़ी लगे होने के बावजूद फरार हुआ आरोपी

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका के सिएटल टाकोमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक आरोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया। इतना ही नहीं आरोपी फिल्मी स्टाइल में एक ट्रेन में सवार होकर एक अन्य स्टेशन पर उतरकर फरार हो गया। यह सब तब हुआ, जब आरोपी के हाथों में हथकड़ी लगी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी केंटुकी में एक मामले में वांछित है। पुलिस ने एयरपोर्ट पर उसे हिरासत में लिया था, लेकिन वह पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भागने में सफल हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

रक्षा मंत्री के आदेश से सदमें में अमेरिकी सेना ! शीर्ष नेतृत्व पर गिरी बड़ी गाज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विभागों में कर्मचारियों की कटौती के ट्रंप प्रशासन के कदम को आगे बढ़ाते हुए वहां के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना को अपने शीर्ष नेतृत्व के पदों में 20 फीसदी कटौती का सोमवार को निर्देश दिया। इसे लेकर जहां ट्रंप प्रशासन का मानना है कि इससे कार्यकुशलता बढ़ेगी, दूसरी ओर आलोचकों को चिंता है कि इससे सेना का राजनीतिकरण हो सकता है। हेगसेथ ने 'नेशनल गार्ड को भी अपने शीर्ष नेतृत्व के पदों में 20 फीसदी की कटौती का निर्देश दिया और सेना को अपने बल में 'जनरल और 'फ्लैग अधिकारी के पदों में अतिरिक्त 10 फीसदी की कटौती करने का कहा है जिसमें एक-स्टार या उससे ऊपर के या नौसेना के समकक्ष अधिकारी शामिल हो सकते हैं। यह कटौती, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप या हेगसेथ द्वारा जनवरी से अब तक बर्खास्त किए गए 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर समेत छह से अधिक शीर्ष जनरल अधिकारियों के अतिरिक्त है। उन्होंने चार-स्टार अधिकारी के तौर पर सेवा देने वाली दो महिलाओं को भी सेना निकाल दिया था। उस समय हेगसेथ ने कहा था कि यह कटौती ''राष्ट्रपति की इस इच्छा को दिखाता है कि उनके आस-पास काबिल लोग हों जो राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर हमारे दृष्टिकोण को अपनाना चाहते हैं। सोमवार को कटौती की घोषणा करते हुए एक नोटिस में हेगसेथ ने कहा कि वे ''नेतृत्व को सुव्यवस्थित बनाने के लिए अनावश्यक पदों को खत्म करेंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सेना को ''अनावश्यक नौकरशाही के स्तरों से मुक्त करना है। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के सदस्य सेठ मौलटन ने कहा कि वह हेगसेथ के इस फैसले को सेना का राजनीतिकरण करने के प्रयास के रूप में देखते हैं।

जहां कैदी खो देते थे मानसिक संतुलन....फिर खुलेगी दुनिया की सबसे खतरनाक जेल अल्काट्राज़

सैन फ्रांसिस्को , एजेंसी।
रहस्य-रोमांच और कैदियों पर अत्याचार की कई कहानियों के लिए बदनाम दुनिया की सबसे खतरनाक अल्काट्राज़ जेल 62 साल बाद फिर से खुलने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को जेल ब्यूरो के साथ न्याय विभाग, एफबीआई और होमलैंड सिक्योरिटी को जेल को फिर से खोलने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्रुथ सोशल साइट पर लिखा, अमेरिका लंबे समय से क्रूर, हिंसक और बार-बार अपराध करने वाले अपराधियों से त्रस्त है। इसलिए मैं अल्काट्राज़ जेल खोलने का निर्देश दे रहा हूं। इसका पुनः खुलना कानून, व्यवस्था और न्याय का प्रतीक होगा।

अल्काट्राज़ अधिकतम सुरक्षा जेलों के बारे में प्रयुक्त मुहावरे, एक पक्षी भी पर नहीं मार सकता से कहीं अधिक था। चूंकि यह अमेरिकी राज्य सैन फ्रांसिस्को में अथाह समुद्र के बीच एक द्वीप पर बनाया गया था, इसलिए कैदी भागने के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। अमेरिका के सर्वाधिक वांछित अपराधियों को यहीं रखा गया था। प्रत्येक कोठरी 9*5 फीट की थी। सुविधाओं के नाम पर वहां कुछ भी नहीं था। जेल की स्थिति ऐसी थी कि कैदियों ने इसका नाम हेलकाट्राज़ (नरक जैसी जेल) रख दिया था। जो एक बार जेल में प्रवेश कर गया, वह बाहर नहीं निकल सका।

जेल की कठोर परिस्थितियों से परेशान होकर कैदी या तो अपना मानसिक संतुलन खो बैठे या आत्महत्या कर ली। अलकाट्राज़ जेल का निर्माण 1934 में किया गया था और इसे 1963 में बंद कर दिया गया था। इसे बंद करने का कारण इसमें लगने वाली लागत थी। अमेरिकी सरकार ने कहा कि अल्काट्राज़ में प्रति कैदी की लागत सामान्य जेलों की तुलना में तीन गुना अधिक है। बंद होने के बाद, अल्काट्राज़ जेल को पर्यटक आकर्षण में बदल दिया गया। हर साल लगभग 1.4 मिलियन पर्यटक इसकी ऐतिहासिक इमारतों, उद्यानों और प्रकाशस्तंभों को देखने आते हैं।

कैदियों ने अल्काट्राज़ जेल से भागने की 31 बार असफल कोशिश की। लेकिन 12 जून 1962 को तीन कैदी, फ्रैंक मॉरिस, जॉन एंगलिन और क्लेरेन्स एंगलिन भाग निकले। जेल प्रशासन ने तब कहा था कि किसी इंसान के लिए इतनी दूर तैरकर किनारे तक पहुंचना असंभव है। संभवतः तीनों कैदी डूब गए होंगे। तीनों कहीं नजर नहीं आए और न ही उनके शव मिले। लंबी जांच के बाद प्रशासन ने 1979 में उन्हें मृत घोषित कर दिया। लेकिन एक गुमनाम पत्र में उनके जीवित होने का दावा किए जाने के बाद फिर से खोज शुरू हुई, जो अब भी जारी है। अल्काट्राज़ जेल पर हॉलीवुड में कई फिल्में बनाई गई हैं। जेल बंद होने से पहले बर्डमैन ऑफ अल्काट्राज़ (1962) आई थी। इसी वर्ष जेल से तीन कैदियों के भागने की घटना से मची सनसनी को देखते हुए फिल्म निर्माताओं ने नया विषय उठाया। एस्केप फ्रॉम अल्काट्राज़, पॉइंट ब्लैंक, द रॉक और मर्डर इन द फर्स्ट इसी विषय पर आधारित थीं। हैरी पॉटर फिल्मों की श्रृंखला का अज़काबान जेल काफी हद तक अल्काट्राज़ से प्रेरित था। ब्रिटिश काल के दौरान, अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों को कैद करने के लिए भारत के अंडमान निकोबार के पोर्ट ब्लेयर में एक सेलुलर जेल का निर्माण किया था। कठिन परिस्थितियों के कारण इस जेल को काला पानी कहा जाता था। जेल की 694 कोठरियाँ इस प्रकार बनाई गई थीं कि कैदियों को आपस में मिलने-जुलने की अनुमति नहीं थी। इसकी दीवारों पर आज भी वीर शहीदों के नाम लिखे हुए हैं। यहां संग्रहालय में वे हथियार भी रखे गए हैं जिनसे स्वतंत्रता सेनानियों को यातनाएं दी जाती थीं।

यमन में हूती विद्रोहियों के बंदरगाह पर इजराइली एयरस्ट्राइक

सना, एजेंसी।
इजराइली सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले बंदरगाह शहर हुदैदाह पर सोमवार रात भीषण बमबारी की। सेना के मुताबिक हमले में 20 इजरायली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। इसके लिए विमानों ने 2000 किमी की दूरी तय की। हमले में हुदैदाह पोर्ट और बाजिल कंक्रीट फैक्ट्री को निशाना बनाया गया। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक फाइटर जेट्स ने कम से कम 50 टार्गेट्स पर बम गिराए। इजराइल का यह हमला एक दिन पहले हूती विद्रोहियों के तेल अवीव में बेन गुरियन एयरपोर्ट हमले के जवाब में किया गया। मिसाइल हमले में कई लोग घायल हो गए थे। इसके बाद इजराइल ने इसका बदला लेने का ऐलान किया था।

हूती विद्रोही बोले- इजराइल को जवाब देंगे हूती विद्रोहियों का कहना है कि इजराइली हमले में कम से कम 21 लोग घायल हो गए हैं। हूती विद्रोहियों के मीडिया विभाग के चीफ नसरुद्दीन आमेर ने कहा कि वे इस हमले का जवाब देंगे। इजराइली हमले उन्हें नहीं रोक पाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह हमला इजराइल और अमेरिका दोनों ने मिलकर किया था। हालांकि, एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन ने इन हमलों में भाग नहीं लिया।

इजरायली सेना ने कहा कि यह हमला हूती शासन की अर्थव्यवस्था और उसके सैन्य निर्माण के लिए एक झटका है। बाजिल कंक्रीट फैक्ट्री उनके लिए एक अहम आर्थिक संसाधन के रूप में काम करती है और इसका उपयोग सुरंगों और सैन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए किया जाता है।

सेना ने कहा कि हुदैदाह बंदरगाह का इस्तेमाल हूती आतंकी ईरानी हथियारों, सैन्य जरूरतों के लिए उपकरणों और दूसरे आतंकी मकसद के लिए करते थे।

इजराइल का हूती विद्रोहियों पर इस साल का पहला हमला गाजा में जंग शुरू होने के बाद यमन में इजराइल का यह छठा और इस साल का पहला हमला था। इजराइल ने कहा है कि यमन पर हमला हूतियों के इजराइल के खिलाफ बार-बार किए गए हमलों के जवाब में किया गया है। मार्च में हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ा अमेरिकी अभियान शुरू होने के बाद से ढ्ढष्ठस्न ने यमन पर हमला करना रोक दिया था। इजराइल ने यमन के अलावा सोमवार रात सीरिया, लेबनान और गाजा पर भी हमले किए। साउथ लेबनान और बेका घाटी में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर कई हवाई हमले किए। इसके अलावा उन्होंने लेबनान की सीमा से सटे सीरिया पर भी कई हमले किए। अभी तक इन दोनों इलाके में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इजराइली सेना ने गाजा पर भी हमला किया। इसमें 54 लोगों की मौत हो गई है। इस बीच इजराइल गाजा में सैन्य अभियान को और तेज करने का ऐलान किया है। इजराइल की वॉर कैबिनेट ने सोमवार को इस फैसले पर मंजूरी दी। इसमें गाजा पर पूरी तरह से 'कब्जा' करने और पूरे इलाके पर कंट्रोल करने का प्लान शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा कि उम्मीद है कि इसे अगले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की यात्रा के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। इजराइल तब तक हमास के साथ सीजफायर और बंधक समझौते पर पहुंचने की कोशिश जारी रखेगा। इजराइली सेना के चीफ इयाल जमीन ने गाजा में अभियान तेज करने को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यह अभियान गाजा में बंधकों की जान को खतरे में डाल सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि नए प्लान से हमास के खिलाफ ज्यादा मजबूत हमले करने और वहां रह गए बंधकों को लाने में मदद मिलेगी। इससे एक दिन पहले सेना इयाल जमीर ने कहा था कि वे अपने रिजर्व सैनिकों को इसके लिए बुला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना गाजा में जमीन और जमीन के भीतर बने हमास के सभी बुनियादी ढांचे को बर्बाद कर देगी।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने 4, न्यू यॉर्कर ने जीते तीन खिताब

न्यूयार्क, एजेंसी।
वर्ष 2024 में पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम के लिए 'न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने चार और 'न्यू यॉर्कर पत्रिका ने पुलित्जर पुरस्कार 2025 के तीन खिताब जीते। फेंटेनाइल संकट, अमेरिकी सेना और पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास जैसे मामलों की कवरेज के लिए इन्हें सराहा गया। जन सेवा श्रेणी में पुलित्जर का प्रतिष्ठित पदक लगातार दूसरे वर्ष 'प्रोपब्लिका को मिला। कविता सुराना, लिजी प्रेसर, कैसंड्रा जारामिलो और स्टेसी क्रैनिट्ज को उन गर्भवती महिलाओं पर रिपोर्टिंग के लिए सम्मानित किया गया, जिनकी मौत सख्त गर्भपात कानूनों वाले प्रांतों में उपचार मिलने में देरी के कारण हुई थी।

'वाशिंगटन पोस्ट ने ट्रंप की हत्या के प्रयास के मामले की ''सबसे तेज और तथ्यपरक कवरेज के लिए पुरस्कार जीता। जनवरी में 'वाशिंगटन पोस्ट को छोड़ देने वाली एन टेलनेस को भी सम्मानित किया गया। अखबार ने ट्रंप के साथ घनिष्ठता रखने वाले कुछ उद्योगपतियों के मजाकिया संपादकीय कार्टून को प्रकाशित करने से इनकार कर दिया था। टेलनेस ने अपने बनाए कार्टून नहीं छापने पर संस्थान को छोड़ दिया था। पुलित्जर्स ने उनकी ''निडरता की प्रशंसा की। 'पुलित्जर ने 2024 में पत्रकारिता के क्षेत्र में 15 श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया। साथ ही पुस्तकों, संगीत और रंगमंच सहित आठ कला श्रेणियों में भी पुरस्कार दिए। जन सेवा श्रेणी में विजेता को स्वर्ण पदक मिला जबकि अन्य सभी विजेताओं को 15,000 अमेरिकी डॉलर दिए गए।

पोप वाली तस्वीर के बाद ट्रंप की नई एआई फोटो आई सामने, राष्ट्रपति को मस्कुलर जेडी के रूप में किया गया चित्रित

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एआई के द्वारा बनाई गई तस्वीर ने एक बार फिर से नई चर्चा को जन्म दे दिया है। दरअसल, 4 मई को व्हाइट हाउस ने ÷स्टार वार्स डे÷ पर ट्रंप की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वे लाल लाइटसैबर पकड़े हुए, जेडी की पोशाक पहने हुए, और गंजे ईगल और अमेरिकी झंडों से घिरे हुए हैं।

ये तस्वीर सामने आने के बाद लोगों में चर्चा का विषय बन गई। ट्रंप की इस तस्वीर के सामने आने के बाद लोगों ने इसको जमकर शेयर किया है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने पोप के पोशाक में एक तस्वीर को साझा किया था, जिसने जमकर सुर्खियां बटोरीं।

व्हाइट हाउस ने एक्स पर लिखा, ÷सभी को 4 मई की शुभकामनाएं, जिसमें कट्टरपंथी वामपंथी पागल भी शामिल हैं जो सिथ लॉर्ड्स, मर्डरर्स, ड्रग लॉर्ड्स, खतरनाक कैदियों और जाने-माने रूस-13 गैंग के सदस्यों को हमारी आकाशगंगा में वापस लाने के लिए इतनी कड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। आप विद्रोही नहीं हैं - आप साम्राज्य हैं। 4 मई आपके साथ हो। माना जा रहा है कि पोस्ट का उद्देश्य ट्रंप को एक देशभक्त जेडी के रूप में प्रस्तुत करना था। हालांकि, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसको लेकर तुरंत विरोधाभास की ओर ध्यान दिलाया कि वह एक लाल लाइटसेबर पकड़े हुए थे, जिसे पारंपरिक रूप से जेडी नहीं बल्कि सिथ लॉर्ड्स द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

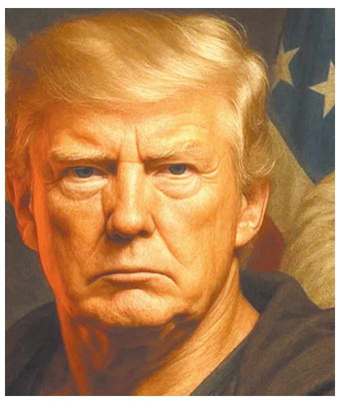

हमास के हमलों की जांच कराने से इस्राइली कैबिनेट का इनकार, विपक्षी नेताओं ने नेतन्याहू सरकार को घेरा

तेल अवीव, एजेंसी।
इस्राइल पर सात अक्तूबर 2023 को हुए हमास के हमलों की जांच की मांग को इस्राइली कैबिनेट ने खारिज कर दिया है। कैबिनेट ने हमलों की जांच के लिए राज्य आयोग गठित न करने की बात कही है। इसे लेकर विपक्षी नेताओं ने नेतन्याहू सरकार को घेरा है।

विपक्षी नेता और पूर्व पीएम यायर लैपिड ने कहा कि जांच आयोग गठित न करने का सीधा अर्थ यह है कि सात अक्तूबर जैसी घटना बार-बार होगी। अगर जांच नहीं की जाती है तो यह कभी पता नहीं लग पाएगा कि हमास के हमलों के पीछे का कारण क्या था हम इससे सबक नहीं ले पाएंगे और ऐसा दोबारा न हो इसके लिए कोई उपाय भी नहीं कर सकेंगे। नेतन्याहू ने मेरोन आपदा और पनडुब्बी मामले में राज्य जांच समिति की स्थापना को भी रोकने की कोशिश की। इस बार भी राज्य जांच समिति स्थापित की जाएगी।

वहीं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जांच की मांग का विरोध करते हुए कहा कि यह राजनीतिक रूप से पक्षपाती जांच का विरोध करते हैं। आलोचकों ने नेतन्याहू पर जांच में देरी करने और इसके अधिकार क्षेत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। विपक्षी सांसद बेनी गैंट्ज़ ने कहा कि जनता मूर्ख नहीं है। राज्य जांच आयोग गठित न किए जाने का एकमात्र कारण जिम्मेदारी से बचने का प्रयास है। यदि आप ऐसा नहीं करने जा रहे हैं, तो कम से कम हमें शर्मनाक बहाने से तो बचिए। हालांकि सेना और इस्राइल ने हमास के हमलों को लेकर जांच पूरी कर ली है। इसकी रिपोर्ट में खुफिया जानकारी की कमी और कमान के मुद्दों को हमले का जिम्मेदार बताया।

बंधकों के परिवारों और पूर्व नेसेट सदस्यों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके हमास के हमलों की जांच की मांग की थी। इसके जवाब में हाईकोर्ट ने फरवरी में सरकार को 11 मई तक जांच को लेकर जवाब देने का आदेश दिया था। बताया जा रहा है कि नेतन्याहू मंत्रिमंडल जांच को मंजूरी देने से पहले जांच आयोगों की नियुक्ति के तरीके में परिवर्तन चाहता है।

ऐसा इसलिए क्योंकि राज्य जांच आयोगों के पास गवाहों को बुलाने और सबूत इकट्ठा करने का व्यापक अधिकार होता है और इनका नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश करते हैं। वे जांच के दायरे में आने वाले व्यक्तियों के बारे में व्यक्तिगत सिफारिशें भी शामिल कर सकते हैं, हालांकि सरकार उन पर कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं है। जांच आयोग न गठित करने की मंशा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। माउंट मेरोन भगदड़ की जांच करने वाले अंतिम राज्य जांच आयोग ने घटना के लिए नेतन्याहू को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया था। वहीं सेना की जांच में सामने आया है कि सेना ने सालों तक हमास के इरादों को गलत समझा और सात अक्तूबर के करीब आते-आते हमले के बारे में खुफिया जानकारी भी नहीं मिल सकी। सेना का ध्यान ईरान और लेबनान में उसके प्रतिनिधि हिजबुल्लाह से होने वाले खतरों पर भी अधिक था। सात अक्टूबर को गाजा सीमा के पास इस्राइली समुदायों पर हमास के हमलों में कम से कम 1,180 लोग मारे गए और 252 इजरायली और विदेशी बंधक बनाए गए। शेष 59 बंधकों में से 36 के मृत होने की आशंका है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, कहा- सैन्य विकल्प समाधान नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बढ़ने पर चिंता व्यक्त की और अधिकतम संयम बरतने तथा तनाव के कगार से पीछे हटने का आह्वान किया। गुटेरेस ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि कोई गलती न करेंः सैन्य समाधान कोई समाधान नहीं है। गुटेरेस ने कहा कि वे 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले के बाद लोगों की भावनाओं को समझते हैं और उन्होंने फिर से उस हमले की कड़ी निंदा की तथा पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है - और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को विश्वसनीय और वैध तरीकों से न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने शांति की सेवा में दोनों सरकारों के प्रति अपने अच्छे कार्यों की पेशकश दोहराई।

शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, गुटेरेस ने दोनों देशों को अपने अच्छे कार्यालयों की पेशकश की, जिसमें कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र किसी भी पहल का समर्थन करने के लिए तैयार है जो संवाद, तनाव कम करने और संकट के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देता है। 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद दोनों परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच बढ़ती दुश्मनी के बीच उनकी टिप्पणी आई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिसे पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों से जोड़ा गया सूत्रों ने बताया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को बंद कमरे में विचार-विमर्श किया, जिसमें कई संयुक्त राष्ट्र सदस्यों ने पाकिस्तान की भूमिका और बयानबाजी पर सवाल उठाए। पाकिस्तान, जो वर्तमान में शक्तिशाली परिषद का एक अस्थायी सदस्य है, ने परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच स्थिति पर बंद कमरे में विचार-विमर्श का अनुरोध किया था। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि, असीम इफ्तिखार अहमद ने एक बार फिर भारत के खिलाफ झूठे दावे फैलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मंच का दुरुपयोग किया। पहलगाम आतंकी हमले से ध्यान हटाने के प्रयास में, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे को उठाया और भारत पर सैन्य निर्माण और भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया। सुरक्षा परिषद की यह बैठक सोमवार दोपहर को लगभग डेढ़ घंटे तक चली। बैठक का आयोजन 'यूएनएससी चैंबर' में नहीं बल्कि उसके बगल के परामर्श कक्ष में हुआ। सुरक्षा परिषद ने बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया लेकिन पाकिस्तान ने दावा किया कि उसके उद्देश्य ''काफी हद तक पूरे हो गए''। पाकिस्तान, वर्तमान में 15 सदस्यीय शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है, जिसने परमाणु-हथियार संपन्न पड़ोसी देशों के बीच स्थिति को लेकर ''बंद कमरे में परामर्श'' का अनुरोध किया था। संयुक्त राष्ट्र में राजनीतिक और शांति निर्माण मामलों के विभाग (डीपीपीए) एवं शांति अभियान विभाग (डीपीओ) में पश्चिम एशिया, एशिया और प्रशांत मामलों के लिए सहायक महासचिव खालिद मोहम्मद खैरी ने दोनों विभागों की ओर से सुरक्षा परिषद को जानकारी दी। खैरी ट्यूनीशिया से हैं। बैठक से बाहर आकर खैरी ने कहा कि ''संघर्ष का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण तरीके से निकालने'' का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि ''स्थिति काफी अस्थिर है।'' 90 मिनट के सत्र के दौरान, परिषद के सदस्यों ने पाकिस्तान की बढ़ती परमाणु बयानबाजी और हाल ही में किए गए मिसाइल परीक्षणों पर चिंता जताई, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने क्षेत्रीय अस्थिरता में योगदान दिया है। प्रतिभागियों ने पाकिस्तान द्वारा फैलाए गए झूठे झंडे की कहानी को भी खारिज कर दिया और घातक हमले के मद्देनजर जवाबदेही के लिए दबाव डाला। सूत्र ने कहा कि लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की संभावित भागीदारी के बारे में भी सवाल उठाए गए और पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के लिए निशाना बनाए जाने पर चिंता व्यक्त की गई। सूत्रों ने बताया कि इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की पाकिस्तान की कोशिशें नाकाम हो गईं, क्योंकि बैठक के बाद चीन समेत किसी अन्य सदस्य ने प्रेस बयान में शामिल नहीं हुआ। सत्र बिना किसी प्रस्ताव, बयान या प्रेस विज्ञप्ति के समाप्त हो गया, जिससे परामर्श के दौरान और उसके बाद पाकिस्तान प्रभावी रूप से अलग-थलग पड़ गया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 twitter www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में 9 आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

7 मई, 2025 तड़के हुए । इस हमले में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को मार गिराया। इस हमले की जानकारी भारतीय सेना ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना की दो महिला अधिकारी भी मौजूद थीं, जिनमें से एक थीं कर्नल सोफिया कुरैशी।

कर्नल सोफिया कुरैशी का जन्म वडोदरा में हुआ था और उन्होंने वडोदरा की एम.एस. साइंस फैकल्टी में बायोकेमिस्ट्री विभाग से बीएससी और एमएससी की पढ़ाई की थी। उन्होंने वर्ष 1992 से 1997 तक वहां अध्ययन किया। आज उनकी इस उपलब्धि पर एम.एस. साइंस फैकल्टी के स्टाफ ने मिठाई बांटकर खुशी जताई और उनके साथ दो साल तक पढ़ चुके देवेश सुतार ने उनके साथ के संस्मरण साझा किए। देवेश सुतार साइंस फैकल्टी में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर कार्य कर चुके हैं।

इस उपलब्धि को लेकर परिवार में गर्व का माहौल है। कर्नल सोफिया कुरैशी के भाई मोहम्मद संजय कुरैशी ने कहा कि आतंकवादी चाहते थे कि धर्म के नाम पर गंदगी फैले, लेकिन अब उनका सफाया हो चुका है। वहीं पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि हम अपना PoK वापस लें।

“हम पहले भारतीय हैं, फिर हिंदू और मुसलमान”

कर्नल सोफिया कुरैशी के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने कहा कि च्व्हम गर्व महसूस कर रहे हैं कि हमारी बेटी ने देश के लिए कुछ किया। हम पहले भारतीय हैं, फिर हिंदू और मुसलमान। हमारा उद्देश्य पूरा हो गया है कि हमने देश के लिए कुछ किया। अब हमें अपना क्क्य वापस लेना है, क्योंकि वहां जो लोग हैं, वे भी हमारे हैं, वे भी भारतीय हैं, और उनकी सुरक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

कर्नल सोफिया कुरैशी के भाई मोहमद संजय कुरैशी ने कहा कि च्पहलगाम में हुई घटना निंदनीय थी और उसका जवाब देना जरूरी था। यह जो पल है, वह देश और हमारे परिवार के लिए गर्व की बात है। हमारे दादा सेना में थे, मेरे पिता भी सेना में थे। हमारे खून में देशभक्ति है। जब उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, तो गर्व से छाती फूल गई। देश को जवाब देना था, और यदि वह हमारे परिवार से किसी ने दिया हो, तो इससे अधिक गर्व की बात क्या हो सकती है?

भारत में आज से नहीं, सदियों से हिंदू और मुसलमान साथ चलते हैं। और इसे आगे बढ़ाने के लिए हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने संदेश दिया है कि एक मुस्लिम अधिकारी और एक हिंदू अधिकारी मिलकर इस मिशन को पूरा करेंगे। एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। यह संदेश देता है कि इस देश में हर धर्म एक है।

“आतंकी ऐसा चाहते थे कि धर्म के नाम पर गंदगी फैलाएं, देश में नफरत फैलाएं, उसका खातमा हुआ। और देश के लिए यही संदेश है कि सब लोग मिलकर रहें। पाकिस्तान को बस इतना ही संदेश है कि जब भी हमारी ओर आंख उठाकर देखोगे तो उसका परिणाम अच्छा नहीं होगा।”

कक्षा 10 का परिणाम

सुबह 8 बजे से gseb.org और व्हाट्सएप नंबर 6357300971 पर जान सकेंगे

8.92 लाख छात्रों ने दी थी परीक्षा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात बोर्ड का कक्षा 10 का परिणाम कल सुबह 8 बजे घोषित किया जाएगा।

छात्र अपना परिणाम गुजरात बोर्ड की वेबसाइट और व्हाट्सएप नंबर के माध्यम से जान सकेंगे। राज्य में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा 27 फरवरी से आयोजित की गई थी, जिसमें 8.92 लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था।

बोर्ड की वेबसाइट और व्हाट्सएप नंबर से रिजल्ट जान सकेंगे

बुधवार, 8 मई को घोषित होने वाले कक्षा 10 के परिणाम छात्र द्दह्यद्गड्ढ.शह्द्द वेबसाइट पर अपना सीट नंबर दर्ज करके प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, छात्र अपना सीट नंबर व्हाट्सएप नंबर 6357300971 पर मैसेज करके भी अपना परिणाम जान सकेंगे।

पिछले साल की तुलना में इस साल 3 दिन पहले आएगा परिणाम

साल 2024 में कक्षा 10 का परिणाम 11 मई को घोषित किया गया था। इस बार यह परिणाम उससे तीन दिन पहले घोषित किया जाएगा।

5 मई को कक्षा 12 का परिणाम घोषित किया गया

कक्षा 12 और गुजरात की त्न–छ्वष्टश्वञ्ज परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। कक्षा 12 साइंस का परिणाम 8 3.51त्न और सामान्य प्रवाह का रिकॉर्ड-तोड़ 93.07त्न घोषित किया गया है। साइंस में पिछले साल के मुकाबले 1.0त्न और सामान्य प्रवाह में पिछले साल के मुकाबले 1.14त्न अधिक परिणाम घोषित हुए हैं। इस साल सामान्य प्रवाह में कुल 4,23,909 और साइंस में 1,1–1,384 छात्रों ने परीक्षा दी थी।

अठवागेट मिशन अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से आग

ICU सहित 13 मरीजों का दिल दहला देने वाला रेस्क्यू 12 मिनट में दूसरी अस्पताल में शिफ्ट किए गए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अठवालाइंस स्थित के.पी. कॉमर्स कॉलेज के सामने स्थित मिशन अस्पताल में मंगलवार शाम शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई।ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक च्व्नॉन-यूज रूमज्ज में आग लगी, जिससे ग्राउंड फ्लोर और पहले माले पर धुआं फैल गया। पहले माले पर भर्ती 13 मरीजों को 12 से 15 मिनट के भीतर अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। पांच फायर स्टेशनों की टीमों ने ऑक्सीजन मास्क पहनकर एक घंटे में आग पर काबू पाया।

धुआं फैलते ही अस्पताल में भगदड़ मच गई। कुछ मरीजों के परिजन घबराकर खुद ही उन्हें बाहर ले जाने लगे। अस्पताल के स्टाफ ने तत्काल मरीजों को शिफ्ट करने का काम शुरू किया। इसी दौरान फायर ब्रिगेड की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं।

अठवागेट मिशन अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, मरीजों में मचा हड़कंप — 50 जवानों ने ऑक्सीजन मास्क पहनकर 1 घंटे में पाया काबू।

शुरुआत में धुएं के कारण यह समझ पाना मुश्किल था कि आग कहां लगी है। अंततः जवानों ने ऑक्सीजन मास्क पहनकर अंदर प्रवेश किया, आग के स्रोत (फायर प्वाइंट) को ढूंढा और आग पर काबू पाया।

ग्राउंड फ्लोर पर स्थित नॉन-यूज रूम में पुरानी मशीनें और फाइलें रखी थीं, जिससे शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की संभावना जताई जा रही है।

सौभाग्य से इस घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई।

मिशन अस्पताल में लगी आग की घटना के बाद 5 फायर स्टेशनों की 10 गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

ग्राउंड फ्लोर पर रखी मशीनरी, कंप्यूटर और फर्नीचर जलकर खाक हो गए

फायर ऑफिसर राजेश देशमुख ने बताया, च्व्हमारे पहुंचने तक अस्पताल स्टाफ ने 13 मरीजों को पहले ही शिफ्ट कर दिया था। धुआं ज्यादा होने की वजह से फायर प्वाइंट तक पहुंचने में समय लगा। हमारे जवान ऑक्सीजन मास्क पहनकर अंदर पहुंचे। नॉन-यूज रूम में रखे कबाड़, पुरानी मशीनें और फाइलों के ढेर में आग फैल गई थी, जिससे मशीनरी, कंप्यूटर और फर्नीचर जलकर खाक हो गए।ज्ज

धुएं के बीच फायर ब्रिगेड के जवानों ने ऑक्सीजन मास्क पहनकर आग बुझाने का कार्य किया। इस दौरान सीलिंग (छत की आंतरिक परत) भी तोड़नी पड़ी।

पहले माले पर स्थित द्बष्ट में भर्ती एक मरीज को स्टाफ ने तुरंत अस्पताल की एंबुलेंस में दूसरी अस्पताल में शिफ्ट किया, जबकि बाकी 12 मरीजों को पहले अस्पताल के ऑडिटोरियम में लाया गया और फिर 108 एंबुलेंस व अन्य अस्पतालों की एंबुलेंस के जरिए अलग-अलग अस्पतालों में भेजा गया।

गलत पीढ़ीनाम बनाकर

मिलकियत को बिल्डर को बेच दिया और धोखाधड़ी का जाल रचा।

24 साल पहले, बुजुर्गों द्वारा अर्जित ज़मीन के 12 वारिसों को उनके हक से वंचित रखते हुए, केवल पांच वारिसों का नाम बताकर गलत पीढ़ीनाम बनाकर बिल्डर को ज़मीन बेच दी थी, जिससे आरोपी प्रकाश देसाई उर्फ मामा पाउंभाजी और अन्य ने मिलकर धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े का षड्यंत्र रचा था। इस मामले में सुरत क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी प्रकाश देसाई द्वारा अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया है।

कामरेज तालुका के काठोड़ा निवासी शिकायतकर्ता विक्रम गुलाबभाई देसाई ने 11 अप्रैल 2025 को अपने सगे बड़े भाई 71 वर्षीय प्रकाश गुलाबभाई देसाई उर्फ मामा पाउंभाजी के खिलाफ ईपीसी 420, 465, 467, 468, 471, 120 (बी), 34 के तहत क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 24 साल पहले शिकायतकर्ता के मृतक पिता गुलाबभाई देसाई की सरथाणा गांव के सर्वे नंबर 28 शीत नंबर 1 में स्थित प्लॉट नंबर 51 की बडी ज़मीन में कुल 12 कानूनी वारिस थे, लेकिन आरोपी प्रकाश देसाई, गुलाबभाई देसाई, अतुल देसाई, रमणभाई देसाई आदि ने केवल पांच वारिसों का नाम बताकर गलत पीढ़ीनाम बनाकर मिलकियत को बिल्डर को बेच दिया और धोखाधड़ी का जाल रचा।

इस मामले में आरोपी प्रकाश देसाई ने अग्रिम जमानत की याचिका दायर की थी, जिसमें बचाव पक्ष ने यह तर्क दिया था कि यह मामला 20 साल पुराना है और आरोपी की उम्र 71 वर्ष है, इसलिए यह शिकायत गलत तरीके से पैसे की मांग करने के उद्देश्य से की गई है। इससे पहले तीन बार पुलिस कमिश्नर कार्यालय में इसी तरह की याचिका दी गई थी।

सरकारी पक्ष ने एपीपी मुँजल ब्रह्मभट्ट द्वारा शिकायतकर्ता विक्रम देसाई और जांच अधिकारी ए. पटेल की शपथ पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया कि आरोपी के खिलाफ यह गंभीर अपराध का पहला मामला है। आरोपियों ने 12 कानूनी वारिसों के बावजूद फर्जी दस्तावेज बनाकर पांच संतानों के नाम पर ज़मीन बेची और अन्य वारिसों के हक को हटा दिया। इस धोखाधड़ी के जरिए आरोपियों ने बिल्डर मुकेश रूपारेली को संपत्ति बेचकर वित्तीय लाभ प्राप्त किया, जिससे कस्टोडियल इंट्रोगेशन आवश्यक है। कोर्ट ने यह मानते हुए अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया और आरोपी प्रकाश देसाई के कस्टडी में पूछताछ को आवश्यक बताया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की लापरवाही

Surat के 25 से अधिक यात्रियों को बिना लिए दिल्ली से उड़ी फ्लाइट,यात्रियों का वीडियो वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

Domestic Departures
अन्तर्राज्यीय प्रस्थान
BEST AIRPORT

सुरत के 25 से अधिक यात्री एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में बिना चढ़े दिल्ली के लिए उड़ गए। फ्लाइट के रवाना होने के बाद, वे यात्री जिनका नाम फ्लाइट लिस्ट में था, एयरपोर्ट पर खड़े रह गए और उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

दिल्ली एयरपोर्ट से सुरत के 25 से अधिक यात्रियों को बिना लिए दिल्ली-सुरत फ्लाइट रवाना हो गई, यात्री एयरपोर्ट पर खड़े रहे

दिल्ली एयरपोर्ट से सुरत के 25 से अधिक यात्री बिना फ्लाइट में चढ़े दिल्ली-सुरत फ्लाइट रवाना हो गई। इस कारण सुरत के यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही खड़ा रहना पड़ा। एयर इंडिया एक्सप्रेस की लापरवाही को लेकर यात्रियों का गुस्सा बढ़ा, और उनका वीडियो सोशल मीडिया पर देर रात वायरल हो गया, जिसमें वे अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे।

यात्रियों को दो घंटे इंतजार कराने के बाद फ्लाइट ने उड़ान भरी

सुरत रूट पर सबसे अविश्वसनीय एयर इंडिया एक्सप्रेस की गुवाहाटी-दिल्ली-सुरत कनेक्टिंग फ्लाइट में सुरत आने वाले 25 यात्रियों को एयरलाइन की लापरवाही के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसा दिया गया। गुवाहाटी से दिल्ली आने वाली फ्लाइट देर से आई थी। यदि फ्लाइट में 30-35 मिनट की देरी और की जाती, तो सुरत के दिल्ली एयरपोर्ट से छुटे हुए 25 यात्रियों को भी समाहित किया जा सकता था। सुरत के यात्रियों को दो घंटे बैठाकर रखने के बाद, सुरत की फ्लाइट ने उड़ान भरी। इस दौरान सुरत के यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर हलचल मचाई और अपनी स्थिति के बारे में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया।

सुरत के 25 यात्रियों को हुआ कड़वा अनुभव

गुवाहाटी से दिल्ली की फ्लाइट रात 8ः42 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची, और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 8ः56 बजे सुरत की फ्लाइट को टेकऑफ करवा दिया। इसके कारण गुवाहाटी से दिल्ली होते हुए सुरत जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट में सफर कर रहे सुरत के 25 यात्रियों को कड़वा अनुभव हुआ। एयर इंडिया एक्सप्रेस और टाटा ग्रुप की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हुए वायरल हुए वीडियो में यात्रियों ने कहा कि वे अगले दिन सुबह महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल नहीं हो सकेंगे।

अगर फ्लाइट 9ः30 बजे उड़ान भरती तो यात्री नहीं फंसते

एक यात्री ने कहा कि उसे सुरत में इंटरव्यू है, और अब वह समय पर नहीं पहुंच पाएगा। गुवाहाटी से दिल्ली की फ्लाइट रात 8ः42 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुई थी, और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 8ः56 बजे दूसरी फ्लाइट को सुरत के लिए टेकऑफ करवा दिया था। नियमित रूप से अनियमित रहने वाली इस फ्लाइट अगर रात 9ः30 बजे टेकऑफ करती, तो 25 यात्री दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसे नहीं होते।

यात्री दिल्ली एयरपोर्ट के स्टाफ के साथ झगड़ते हुए वीडियो में दिखे

एयर इंडिया एक्सप्रेस के सुरत के मैनेजर को यात्रियों ने कॉल किया था, लेकिन मैनेजर ने कॉल रिसीव नहीं किया। एयर इंडिया एक्सप्रेस की इस लापरवाही के कारण सुरत के 25 यात्री दिल्ली एयरपोर्ट पर फंस गए थे। यात्री दिल्ली एयरपोर्ट के स्टाफ के साथ भी झगड़ते हुए वीडियो में नजर आए। एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-सुरत फ्लाइट ट्रैवल एजेंट और यात्री के प्रति असंवेदनशील और गैर-मैत्रीपूर्ण व्यवहार को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

आरोपी को MD ड्रग्स के साथ पकड़ा गया

प्राकृतिक शौच के बहाने भागा हुआ एमडी ड्रग्स तस्कर चलथाण स्टेशन से पकड़ा गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रिंग रोड किनारी सिनेमा के पास से क्राइम ब्रांच ने 1.75 लाख रुपये के एमडी ड्रग्स के साथ जुबेरखान फिरोजखान पठान (निवासी: गांधीनगर, उमरवाड़ा, सलाबतपुरा) को पकड़ा था। जब पुलिस पंचनामा की कार्रवाई कर रही थी, उस दौरान जुबेर ने ट्रैफिक ऑफिस में पुलिस से “कुदरती हाजत” (प्राकृतिक शौच) जाने की बात कहकर शौचालय की खिड़की से फरार हो गया।

क्राइम ब्रांच ने पूरी रात जुबेरखान की तलाश की और आखिरकार मंगलवार सुबह उसे चलथाण रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया। इस 1.75 लाख के ड्रग्स मामले में उमरवाड़ा का अबरारखान उर्फ आरुष पठान अब भी वॉन्टेड है। जुबेरखान को ये ड्रग्स अबरारखान पठान ने दिए थे। ड्रग्स के मुख्य सप्लायर अबरार की अभी भी तलाश जारी पूछताछ के दौरान रिंग रोड चौकी में जुबेर टॉयलेट से भाग निकला था। फरार होने के बाद वह महाराष्ट्र चला गया था। वहां रुपये खत्म हो जाने पर वह पैसे लेने के लिए वापस आया और चलथाण रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां पहले से घात लगाकर बैठी क्राइम ब्रांच ने उसे धर दबोचा।

राज्य के पुलिस अधिकारियों की छुट्टियां रद्द, तत्काल ड्यूटी पर हाजिर होने का छ्व्रक्कका आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंधूर के तहत पाकिस्तान और क्क्य में एयरस्ट्राइक की है। वहीं, दूसरी ओर, गुजरात के 18 जिलों में 7 मई को शाम 4 बजे से 8 बजे तक सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल और शाम 7:30 से 9:00 बजे तक जोन वाइज ब्लैक आउट की कार्रवाई की गई है। इस बीच, गुजरात के सभी पुलिस अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इस मामले में राज्य की DGP ऑफिस ने आज बुधवार (7 मई, 2025) आदेश जारी किया है, जिसमें छुट्टी पर गए अधिकारियों को तुरंत ड्यूटी पर हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, आगामी महीने में रथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए राज्य पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मियों की 20 से 30 जून, 2025 तक सभी प्रकार की छुट्टियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

गुजरात पुलिस विभाग द्वारा राज्य के छुट्टी पर गए पुलिस अधिकारियों को हाजिर होने का आदेश दिया गया है।

सैनिकों के शौर्य के किए 51 किलो आम का लगाया भोग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री जीण माता सेवा सेवा ट्रस्ट द्वारा बुधवार को भारतीय सेना के पराक्रम एवं शौर्य के लिए माँ जीण को 51 किलो हापुस आम का भोग लगाया गया। भारतीय सैनिकों की विजय एवं दीर्घायु के लिए माँ से प्रार्थना की। इस मौके पर उपस्थित भक्तों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। आम प्रसाद के रूप में भक्तों को वितरित किए गए।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अमित दोदराजका, विपिन अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।